RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

श्रीकंचनपथ

साझा करें अपने मित्रों से

सांध्य दैनिक

दुर्ग-रायपुर-बस्तर संभाग

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल

वर्ष- 13, अंक - 161 | श्रीकंचनपथ ONLINE | visit us http://www.shreekanchanpath.com | भिलाई, बुधवार 30 मार्च 2022 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

छिपकली वाली दाल मिड-डे मील खाने का बाद 54 बच्चे बीमार, सभी अस्पताल में भर्ती

भोपाल (एजेंसी)। सरकारी स्कूलों में मिलने वाले मिड डे मील की क्वॉलिटी पर एकबार फिर सवाल उठ रहे हैं। मंगलवार को मध्य प्रदेश के डिंडोरी के एक सरकारी स्कूल में खराब मिड डे मील खाने से करीब 54 बच्चे बीमार पड़ गए। बच्चों को स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पताल में एडमिट कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, आदिवासी इलाके के डिंडोरी जिले में समनापुर ब्लॉक के केवलारी गांव में स्थित प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में पढ़ने वाले करीब 54 बच्चों ने मिड-डे मील खाने के बाद उल्टी और दस्त की शिकायत की। बच्चों की बिगड़ती हालत देखकर गेस्ट टीचर ने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पहले तो बच्चों को समनापुर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर एडमिट कराया गया। लेकिन बाद में कुछ बच्चों को उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहीं मामले में पूछताछ करने पर स्कूल में खाना बनाने वाली रसोइया चंपा बाई ने दावा किया कि दाल में छिपकली गिरने की वजह से बच्चे बीमार हुए हैं। दूसरी ओर जिला अस्पताल के डॉक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि उल्टी की शिकायत के बाद बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों का इलाज किया जा रहा है और सभी बच्चे खतरे से बाहर हैं। वहीं इतनी बड़ी संख्या में बच्चों के बीमार होने से जिला प्रशासन के अफसरों के भी हाथ पांव फूल गए हैं।

भिलाई नगर निगम महापौर नीरज पाल ने गोधन से बने ब्रीफकेस में पेश किया बजट 2022-23

महापौर ने पेश किया 5 अरब 23 करोड़ का बजट

भिलाई नगर स्टेशन के पास बनेगा नया कार्यालय

महापौर नीरज पाल ने नगर निगम के मौजूदा कार्यालय को भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के पास स्थानांतरित करने का प्रावधान बजट में रखा है। बजट अभिभाषण में महापौर नीरज पाल ने बताया कि भिलाई शहर तेजी के साथ बिजनेस हब बनता जा रहा है। इस लिहाज से निगम के वर्तमान कार्यालय की जमीन का व्यवसायिक उपयोग किया जाना उचित प्रतीत होता है। पावरहाउस के रविशंकर शुक्ल मार्केट से सुपेला के आकाश गंगा चौक तक पूरी की पूरी व्यवसायिक जमीन है। इसलिए निगम का नया कार्यालय भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के पास स्थानांतरित करने की दिशा में काम किया जाएगा। आकाश गंगा के थोक सब्जी मंडी को भी सुपेला क्षेत्र के प्रियदर्शिनी परिसर के पास स्थानांतरित करने का प्रावधान बजट में रखा गया है। उन्होंने बताया कि जन सुरक्षा की दृष्टि से निगम द्वारा शहर के विभिन्न हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पीने के शुद्ध पानी के लिए सार्वजनिक प्याऊ खोलने के लिए भी बजट में प्रावधान किया गया है।

भिलाई नगर निगम 2022-23 का बजट बहुमत से पारित

विकास के साथ जनहित के कार्यों के लिए बना प्रावधान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर निगम महापौर नीरज पाल ने आज अपने कार्यकाल का पहला बजट पेश किया। बजट में उन्होंने शहर के विकास और जनहित में 5 अरब 23 करोड़ 6 लाख 48 हजार रुपए व्यय का प्रावधान आगामी वित्तीय वर्ष के लिए रखा है। वहीं इस दौरान 4 अरब 10 करोड़ 51 लाख 78 हजार रुपए आय होने का अनुमान लगाया है। प्रारंभिक शिलक 1 अरब 22 करोड़ 49 लाख 58 हजार रहने से वर्ष 2022-23 के अंत तक निगम के खजाने में 5 अरब 33 करोड़ 1 लाख 36 हजार रुपए आ जाएगा। जिससे बजट में 9 करोड़ 94 लाख 88 हजार रुपए लाभ होने का अनुमान रखा गया है।

नगर निगम भिलाई की सामान्य सभा में आज सभापति गिरवर बंटी साहू के आदेश पर महापौर नीरज पाल ने अपने कार्यकाल का पहला बजट प्रस्तुत किया। इस बजट में उन्होंने पूरे 70 वार्ड के लिए विकास कार्यों को आगामी वित्तीय वर्ष के दौरान अंजाम देने का इरादा प्रदर्शित किया है। महापौर ने अपने बजट में वित्त वर्ष 2022-23 में लोक कर्म विभाग के अंतर्गत भवन निर्माण हेतु 7 करोड़ 75 लाख रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान रखा है। इसमें भिलाई नगर रेलवे स्टेशन के समीप नवीन निगम कार्यालय भवन निर्माण सहित अन्य समस्त तरह के भवनों का निर्माण शामिल है। दूषित जल निकासी के लिए 2 करोड़, सड़क निर्माण एवं संधारण के लिए 4 करोड़ 50 लाख, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत स्वच्छता एवं जन स्वास्थ्य मद में 42 करोड़ 70 लाख, पर्यावरण संरक्षण के तहत वृक्षारोपण, कुंओ और जलाशयों के संवर्धन हेतु 1 करोड़ 80 लाख एवं नगर के उद्यानों के सौंदर्यीकरण व रखरखाव के लिए 11 करोड़ 15 लाख रुपए खर्च किए जाने का प्रावधान किया गया है।

बजट में कार्यालयीन व्यय के लिए 4 करोड़ 39 लाख, नए वाहन, संधारण, मशीनरी आदि क्रय करने 14 करोड़ 85 लाख, मार्ग प्रकाश व्यवस्था के लिए 14 करोड़ 70 लाख, लोक स्वास्थ्य एवं सुविधाओं के अंतर्गत नलकूप खनन, पाइपलाइन विस्तार, स्टैंड पोस्ट,जल शोधन संयंत्र का संचालन आदि के लिए 31 करोड़ 35 लाख 68 हजार रुपए व्यय का प्रावधान है। इसके अलावा अन्य विविध व्यय मद में वृद्धा वस्था पेंशन, मार्ग पट्टिका, सियान सदन निर्माण, टाउनहॉल निर्माण, मुक्ति धाम में लकड़ी की व्यवस्था, तालाब सौंदर्यीकरण, सड़क किनारे यूरिनल, गौधन संवर्धन, सीवर ट्रीटमेंट स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स सोलर सिस्टम त्योहार में पंडाल व्यवस्था कब्रिस्तान विकास आदि कार्यों के लिए 3 अरब 5 करोड़ 17 लाख 15 हजार रुपए व्यय किया जाएगा।

दल्लीराजहरा-जगदलपुर रेललाइन के लिए आंदोलन

150 किमी करेंगे पैदल मार्च 3 अप्रैल को अंतागढ़ से शुरू

श्रीकंचनपथ न्यूज

बस्तर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर की लाइफ लाइन मानी जा रही दल्लीराजहरा-जगदलपुर रेल लाइन का निर्माण जल्द शुरू कराने बड़े आंदोलन की तैयारी है। आंदोलन गांधीजी के दांडी मार्च की तरह शुरू होगी। सर्व नागरिक मंच के बैनर तले आंदोलन में बस्तर संभाग के सभी जिलों की लोगों की सहभागिता होगी। आंदोलन 3 अप्रैल को अंतागढ़ से शुरू होगा। लगभग 150 किमी की पदयात्रा 10 दिनों में पूरी होगी। इसके बाद 13 अप्रैल को जगदलपुर में विशाल आमसभा की तैयारी है, जिसमें बस्तर लाखों लोगों के शामिल होने की बातें कही जा रही है।

बता दें कि दल्लीराजहरा-जगदलपुर रेल लाइन का कार्य दो चरणों में किया जाना है। प्रथम चरण में राजहरा से रावघाट 90 किमी और रावघाट से जगदलपुर 140 किमी का कार्य दूसरे चरण में किया जाना था। कार्य में लगातार देरी से बस्तर के लोगों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। बस्तर के लोग वर्षों से रेल मंत्रालय, रेल बोर्ड और केंद्र सरकार तक अपनी बात पहुंचाते रहे हैं, लेकिन तेजी से काम शुरू नहीं हो पाया है। कई वर्षों से काम जल्द शुरू होने की बातें ही कही जा रही है। जगदलपुर से रावघाट तक रेललाइन का कार्य जल्द शुरू कराने सर्व नागरिक मंच के जरिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने निर्णय लिया गया। इसके लिए कई चरणों में आंदोलन करने पर सहमति बनी है। पदयात्रा को सर्व?समाज संगठन, व्यापारी संगठन, बस्तर परिवहन संघ, आदिवासी समाज के अलावा अन्य संघों का समर्थन मिल रहा है। सर्व नागरिक मंच जोर-शोर से आंदोलन की तैयारियों में जुटा हुआ है।

रेललाइन नहीं तो बस्तर का लोहा नहीं ले जाने देंगे

प्रथम चरण में गांधीगीरी का तरीका अपनाते हुए दांडी यात्रा निकाली जाएगी। पदयात्रा के बाद भी यदि रेल मंत्रालय कोई ठोस पहल नहीं करता तो आने वाले दिनों में सर्व?नागरिक मंच के बैनर तले चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। यह आंदोलन अंतागढ़ से लेकर जगदलपुर तक किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो बस्तर के लोग अनिश्चितकालीन आंदोलन भी करेंगे। सर्व नागरिक मंच से जुड़े लोगों ने बताया कि मंच का यह आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से होगा। केंद्र सरकार द्वारा रेल लाइन निर्माण के लिए पहल नहीं करने पर अंत में बस्तर के लौह अयस्क परिवहन को रोका जाएगा।

राजधानी से बस्तर के लिए सड़क मार्ग की विकल्प

पहले चरण में दल्लीराजहरा से रावघाट तक निर्माण का कार्य चल रहा है, जिसमें अंतागढ़ तक रेल लाइन का निर्माण पूरा होने की स्थिति है। रायपुर व दुर्ग से बस्तर के लिए सीधी रेल सुविधा नहीं है। यहां बस मार्ग की ही सुविधा है। कुछ समय पहले दुर्ग से जगदलपुर के लिए यात्री ट्रेन शुरू की गई थी, जो ओडिशा से होकर बस्तर जाती थी, जिसे पहुंचने में 16 से 18 घंटे का समय लगता था। जबकि बस से सात से आठ घंटों में सफर तय होता है। बस से सफर करने पर किराया भी अधिक लगता है। रेल लाइन बिछने के बाद बस्तर राजधानी व दुर्ग से से सीधे जुड़ जाएगा।

बस्तर की संपदा का दोहन, सुविधा नहीं मिल रही

सर्व?नागरिक मंच के किशोर पारख, संपत झा ने बताया कि रेल आंदोलन के लिए सर्वसमाज की बैठक हुई है। सर्व?समाज की बैठक में यह तय किया गया कि सभी समाज के सक्रिय युवकों आंदोलन से जोड़ा जाएगा। बस्तर के लिए जनजागरण अभियान भी चलाया जाएगा। शहर से लेकर गांवों तक आंदोलन का विस्तार किया जाएगा। कुछ समाज के लोगों ने रुचि दिखाते युवाओं की सूची भेजी है। कई समाज की सूची अब तक प्राप्त नहीं हुई है। सर्व नागरिक मंच शांतिपूर्ण आंदोलन की रणनीति बनाई गई है। मंच के लोगों ने कहा कि बस्तर की संपदा का दोहन हो रहा है, लेकिन सुविधा नहीं मिल रही है।

मनरेगा में मजदूरी दर में 11 रुपए की बढ़ोतरी, अब 204 रूपए मिलेंगे, नई दर 1 अप्रैल 2022 से प्रभावी होंगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मनरेगा (महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम) श्रमिकों को 1 अप्रैल 2022 से प्रतिदिन 204 रूपए की मजदूरी मिलेगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए राज्यवार प्रतिदिन मजदूरी की दर का राजपत्र में प्रकाशन कर दिया गया है।

मनरेगा के तहत काम करने वाले अकुशल हस्त कर्मकारों हेतु छत्तीसगढ़ के लिए 204 रूपए प्रतिदिन की मजदूरी तय की गई है। यह नई दर 1 अप्रैल 2022 से प्रभावी होंगी। केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए 193 रूपए मजदूरी दर निर्धारित थी। आगामी वित्तीय वर्ष के लिए इसमें 11 रूपए की बढ़ोतरी की गई है।

ठाकरे सरकार संकट में?: महाराष्ट्र के 25 कांग्रेस विधायकों के तेवर बागी, पार्टी के मंत्रियों द्वारा उपेक्षा से खफा, सोनिया गांधी से मांगा वक्त

ढाई साल बाद पता चला कि तीन विधायकों के लिए एक मंत्री

पार्टी में समन्वय की कमी जाहिर करते हुए कांग्रेस विधायकों ने कहा कि उन्हें गत सप्ताह ही पता चला कि कांग्रेस के तीन विधायकों के साथ समन्वय के लिए एक मंत्री तैनात किया गया है। एक अन्य कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह बात हमें तब पता चली जब एचके पाटिल ने हाल ही में एक बैठक में यह जानकारी दी। यह अघाड़ी सरकार बनने के कुछ माह बाद किया गया था, लेकिन हमें इसके बारे में 2.5 साल बाद पता चला। अब भी हमें नहीं पता है कि हमारे साथ कौनसा मंत्री समन्वय करेगा।

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में शिवसेना नीत महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल कांग्रेस के मंत्री अपनी ही पार्टी के विधायकों की नहीं सुन रहे हैं। उनके इस व्यवहार से क्षुब्ध होकर 25 विधायक बागी तेवर दिखा रहे हैं। मंत्रियों के व्यवहार से खफा इन विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात का वक्त मांगा है। महाराष्ट्र के कांग्रेस विधायकों का कहना है कि गठबंधन सरकार की तो छोड़िये यदि हमारे मंत्री ही हमारी नहीं सुनेंगे तो आगामी चुनावों में पार्टी कैसे अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी। इकॉनामिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इन विधायकों ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर तुरंत दखल देने की मांग की है, ताकि चीजें बिगड़ने से पहले संभल जाए। विधायकों ने कहा कि कांग्रेस के मंत्री हमारी चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और वे हमसे तालमेल नहीं बना रहे हैं। कुछ विधायकों ने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री, ,खासकर कांग्रेस के मंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। एक विधायक ने कहा कि अगर मंत्री विधायकों के चुनाव क्षेत्रों के कामों का आग्रह टालेंगे तो पार्टी भावी चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कैसे करेगी?

हाशिये पर चली जाएगी कांग्रेस

कांग्रेस के कुछ अन्य विधायकों ने कहा कि हम राकांपा से पिछड़ रहे हैं, क्योंकि क्योंकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार अपनी पार्टी के विधायकों से नियमित रूप से मिलते हैं, धन आवंटित करते हैं और उनकी शिकायतें सुनते हैं। कांग्रेस के एक अन्य विधायक ने कहा कि राकांपा हम पर हमला कर रही है। राकांपा मंत्रालयों को अधिक धन आवंटित किया जाता। अगर चीजें ऐसे ही चलती रहीं तो महाराष्ट्र में भी कांग्रेस अन्य राज्यों की तरह हाशिए पर चली जाएगी। पंजाब की तरह पार्टी महाराष्ट्र में भी बेकार बैठी रहती है तो यहां भी ऐसा ही होगा।

छत्तीसगढ़ में ब्लैक थ्रिप्स ने तबाह कर दी मिर्च की फसल कोई दवा कारगर नहीं, पौधों को उखाड़कर फेंक रहे किसान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वैश्विक महामारी कोरोना से बड़ी जनहानि हुई और देश की आर्थिक गतिविधियां भी प्रभावित हुई। उसी तरह ब्लैक थ्रिप्स ने किसानों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। छत्तीसगढ़ के किसान मिर्च की फसल पर ब्लैक थ्रिप्स कीट के अटैक से परेशान हैं। कीट के प्रकोप से मिर्च की फसल पूरी तरह तबाह हो गई है। आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना के बाद छत्तीसगढ़ में भी ब्लैक थ्रिप्स की दस्तक ने किसानों की कमर तोड़ दी।

खेतों में लगी मिर्च की फसल को बचाने किसान लाखों रुपये की दवाइयों का छिड़काव कर चुके हैं, लेकिन कोई भी दवा ब्लैक थ्रिप्स से बचाव में कारगर साबित नहीं हो रही है। फसल चौपट होने के कारण मिर्च उत्पादक किसान पौधों को उखाड़कर फेंकने को मजबूर हो गए हैं। दुर्ग जिले के मलपुरी कला के कृषक विजय चौहान ने बताया कि उन्होंने शिमला व तीखी मिर्च की फसल लगाई थी, लेकिन ब्लैक थ्रिप्स के प्रकोप से फसल तबाह हो गई। कई बार मिर्च की फसल में दवाइयों का स्प्रे कर चुके हैं, लेकिन कोई फायदा नहीं मिला। एक बार फसल उखाड़कर दूसरी बार फिर लगाया हूं। विजय चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ सहित पूरे भारत में मिर्च की फसलों में महामारी की तरह फैली ब्लैक थ्रिप्स से फसल को किसान नहीं बचा पाए हैं। उत्पादन भी प्रभावित हुआ है। इस बार मिर्च की कीमत में भी काफी वृद्धि है।

कई बार दवा डालने के बाद भी नहीं हुआ लाभ

दुर्ग जिले के धमधा ब्लॉक क्षेत्र के कृषक तेजराम साहू ने बताया कि उन्होंने 10 एकड़ में मिर्च की फसल लगाई थी। ब्लैक थ्रिप्स के प्रकोप के बाद फसल को बचाने अब तक 3-4 लाख की दवाइयों का छिड़काव कर चुके हैं, लेकिन दवा कारगर नहीं होने की वजह से उन्होंने मिर्च के पौधों को उखड़वा दिया। अकोला के किसान भूपेंद्र दुबे ने बताया कि ब्लैक थ्रिप्स से मिर्च की फसल को भारी नुकसान हुआ है। मिर्च के एक फुल में 100 से भी ज्यादा कीट हैं। फल और पत्तों को कीट चूस लेते हैं, जिससे पूरा पौधा सूख जा रहा है। किसान अजय मढ़रिया ने बताया कि ब्लैक थ्रिप्स से किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। किसानों को कोई उत्पादन लिए बिना ही फसल को उखाड़ना पड़ा। मिर्च की फसल लेने वाले किसान कर्ज में डूब गए हैं।

मिर्ची की फसल पर पूरे वर्ष कीट का आक्रमण

कृषि विज्ञान केंद्र पाहंदा के वैज्ञानिक विजय जैन ने बताया कि इस कीट के डीम्ब व वयस्क दोनों ही नई पत्तियों की सतह को खुरचकर खाते हैं। इस कीट का तेजी से प्रकोप होने पत्तियां पूरी तह विकृत हो जाती है और पौधा समय पूर्व पतझड़ का शिकार हो जाता है। इस कीट का आक्रमण मिर्ची वाले फसलों में पूरे वर्ष रहता है, लेकिन सूखे के महीनों और नाइट्रोजन उर्वरक के अधिक उपयोग वाली खेतों में इसका आक्रमण ज्यादा होता है।

यह सावधानी बरतें किसान

- जहां तक संभव हो पायरेथ्रोइड्स समूह के दवाओं का उपयोग थ्रीप्स कीट के नियंत्रण के लिए न करें।
- दवाइयों का छिड़काव बदलकर करें। किसी एक प्रकार की दवा का बार-बार छिड़काव न करें।
- एक से अधिक प्रकार के कीटनाशक, फफूंदनाशक, वृद्धिकारक दवाइयों को आपस में मिलाकर छिड़काव न करें।
- आवश्यकता से अधिक नाइट्रोजन युक्त खाद का उपयोग न करें।
- लाभकारी कीटों की आबादी को संरक्षित रखने कीटनाशकों का आवश्यकता से अधिक उपयोग न करें।

27 सालों की खेती में पहली बार ऐसा नुकसान

कृषि सलाहकार दिनेश जेठवा बताते हैं कि मिर्च के पौधे में अक्टूबर माह में पहली बार ब्लैक थ्रिप्स का प्रकोप देखा था। कीटों का जीवन फूलों पर निर्धारित रहता है। पहली बार गुलाब की खेती में यह देखा गया था। उनका कहना है कि दिन व रात का तापमान ज्यादा होने पर यह तेजी से पनपता है। मिर्च की खेती करने वाले किसानों को बड़ा नुकसान हुआ है। अब तक इसकी कोई कारगर दवा समझ में नहीं आई है। 27 सालों में पहली बार इस तरह के कीट का प्रकोप देख रहे हैं, जिस पर किसी भी दवा का असर नहीं हो रहा है।

संपादकीय

गैर-जरूरी विवाद

अभी बहुत दिन नहीं हुए, जब कर्नाटक के उडुपी जिले में आयोजित सालाना कौप मरीगुड़ी उत्सव में गैर-हिंदू वेंडरों को मंदिर परिसर के आसपास कारोबार न करने देने की मांग उठी थी, जो अब मांड्या, शिवमोगा, चिकमंगलुरु, तुमकुरु और हासन जिलों तक फैल गई है, इसी बीच केरल से भी खबर आई है कि कन्नूर जिले के कुछ मंदिरों के प्रबंधन ने ख्यात पूराक्कली-मराथुकली कलाकार विनोद पणिकर की मंदिर समारोहों में कला-प्रस्तुति पर कथित तौर से रोक लगा दी है। पणिकर का आरोप है कि उनके बेटे ने मुस्लिम लड़की से शादी की है, इसलिए उन पर यह रोक लगाई गई है, जबकि वह करीब चार दशकों से इन मंदिरों में अपनी कला प्रस्तुतियां देते आ रहे हैं। सुखद यह है कि कल ही कर्नाटक के दो भाजपा विधायकों, एच विश्वनाथ और अनिल बेनके ने मंदिरों के आस-पास गैर-हिंदुओं के कारोबार पर प्रतिबंध को 'गैर-सांविधानिक' कृत्य बताया और यह अपील की कि लोगों के ऊपर ही छोड़ देना मुनासिब होगा कि वे किस दुकान से क्या खरीदें।

> “ इस तरह के विवाद देश के राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लिए भी किसी परीक्षासे कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व की समझदारी इन्हीं नाजुक मौकों पर देखी-परखी जाती है। कर्नाटक और केरल में सामाजिक समरसता न बिगड़े, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के साथ-साथ इन सबके कंधों पर भी है।

सदियों का हिन्दुस्तानी लोक-व्यवहार और आजाद भारत का संविधान साक्षी है कि 'सर्वधर्म समभाव' की इसकी खूबसूरती ने पूरी दुनिया को भारत का मुरीद बनाया है और अब कुछ असामाजिक तत्व निहित स्वार्थ के कारण इसे आघात पहुंचाना चाहते हैं। भारत के तीर्थस्थल हमेशा से इसकी समावेशी संस्कृति के बड़े प्रतीक रहे हैं। और इसकी सबसे ताजा मिसाल बिहार में पूर्वी चंपारण के इश्तियाक अहमद खान ने पेश की है, जिनके परिवार ने लगभग ढाई करोड़ रुपये की जमीन रामायण मंदिर के निर्माण के लिए दान कर दी। इस देश में ऐसे कई उदाहरण हैं, जब सभी धर्मों के लोगों ने मिल-जुलकर एक-दूसरे के उपासना स्थलों का जीर्णोद्धार किया है। ऐसे में, केरल-कर्नाटक सरीखी बाड़ेबंदी भारतीयता की मूल भावना के भी विपरीत है।

दरअसल, हमारे सामाजिक जीवन में विद्वेष की राजनीति की घुसपैठ लगातार बढ़ती जा रही है और इसी के कारण इस तरह की विसंगतियां देखने को मिल रही हैं। अब तक उत्तर भारतीय प्रदेशों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण या जातिवादी गोलबंदी के कारण अनेक प्रकार की समस्याएं पैदा होती रही हैं और उनके पिछड़ेपन की एक बड़ी वजह भी है, लेकिन चिंता की बात यह है कि इस तरह की प्रवृत्तियां अब केरल-कर्नाटक में तेजी से बढ़ने लगी हैं, जो तरक्कीपसंद सूबे समझे जाते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि दक्षिण के राज्यों में उत्तर के मुकाबले सामाजिक समावेशीकरण कहीं बेहतर हुआ है और उन्हें इसका फायदा भी खूब मिला है। यह एक स्थापित तथ्य है कि कोई भी कलहप्रिय समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। इसलिए राज्य सरकारों का यह बुनियादी दायित्व है कि वे सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की किसी भी कोशिश से सख्ती से निपटें। भारत के सामने गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य के मोर्चे पर पहले ही गंभीर चुनौतियां हैं। महामारी ने उन्हें और विकराल बना दिया है। ऐसे में, इस तरह के निरर्थक विवाद शासन की सिरदर्दी ही बढ़ाएंगे और उसकी कार्य-संस्कृति को नकारात्मक रूप से प्रभावित करेंगे। इस तरह के विवाद देश के राजनीतिक-सामाजिक संगठनों के लिए भी किसी परीक्षासे कम नहीं हैं। उनके नेतृत्व की समझदारी इन्हीं नाजुक मौकों पर देखी-परखी जाती है। कर्नाटक और केरल में सामाजिक समरसता न बिगड़े, इसे सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों के साथ-साथ इन सबके कंधों पर भी है।

भारत-दुबई घनिष्टता के नए आयाम

कल रात ही मैं दुबई पहुंचा और आज सुबह मैंने यह खुश खबर पढ़ी कि दुबई की कुल 160 सेवाओं में से भारत के लिए 100 सेवाओं के द्वार खोल दिए गए हैं। कुछ दिन पहले हमारे व्यापार मंत्री पीयूष गोयल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) आए थे और उन्होंने यहां के नेताओं से बातचीत करके यह समझौता किया था। अब यहां भारतीय नर्सों, इंजीनियरों, सूचना-विशेषज्ञों आदि तरह-तरह के व्यावसायिक विशेषज्ञों को काम करने की सुविधा मिलेगी। इसका नतीजा यह होगा कि भारत के लाखों सुयोग्य नौजवानों को अपनी योग्यता को परखाने का मौका मिलेगा। यदि वे दुबई और अबू धाबी में अपना सिक्का जमाएंगे तो उसकी खनक सारे अरब और अफ्रीकी देशों में भी होगी।

इस समय भारत के माल को अरब और अफ्रीका के देशों में खपाने का सबसे बड़ा केंद्र यूएई ही है। भारत की कोशिश है कि 'गल्फ कोऑपरेशन कौंसिल' के साथ भी वह कुछ इसी तरह के समझौते कर ले तो सउदी अरब, ओमान, बहरीन, कुवैत और क़तर जैसे देशों के साथ उसके व्यापारिक और आर्थिक संबंध घनिष्ट हो सकते हैं। इस समय यूएई के साथ भारत का व्यापार 60 बिलियन डॉलर का है। अगले पांच वर्षों में यह दुगुना हो सकता है। दुबई से भारतीय माल बड़े पैमाने पर पाकिस्तान को भेजा जाता है। भारत-पाक व्यापार आजकल लगभग ठप्प है लेकिन पाकिस्तान के गांवों में भी यदि आप चले जाएं तो भारतीय चीजें वहां दनदनाती हुई दिखाई पड़ती हैं। दुबई को भारत से आनेवाला माल लगभग करमुक्त हो जाएगा। संयुक्त अरब अमीरात में आप कहीं भी चले जाइए, आपको ऐसा लगेगा कि आप भारत में ही हैं। यहां लगभग 35 लाख भारतीय रहते हैं। इस देश की एक तिहाई आबादी इसके बाजारों, अस्पतालों और होटलों में भारतीयों की ही दिखाई पड़ती है। अब दोनों देशों के संबंध इतने घनिष्ट होते जा रहे हैं कि ये द्विपक्षीय संबंध दुनिया के सारे मुस्लिम देशों से आगे निकल गए हैं। कश्मीर में पैसा लगाने की पहल यूएई कर रहा है।

-डा .वैदिक

> “ आज के समय में रोजगार पैदा करना, महंगाई नियंत्रित करना, कामगारों को सामाजिक-आर्थिक सहयोग देना, पारदर्शिता बनाए रखना और मजदूर-हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाना निहायत जरूरी है। हेनरी फोर्ड ने कभी कहा था कि जब तक मेरा वर्कर मेरी कार नहीं खरीद पाएगा, तब तक कार का 'मास प्रॉडक्शन' करके भला क्या होगा? उनका इशारा बाजार में मांग बढ़ाने की तरफथा। आज की सरकारों को इससे सबक लेना चाहिए। कामगारों को 'लिविंग वेज' मिलना ही चाहिए।

अरुण कुमार, अर्थशास्त्री

हड़ताल से निकली ध्वनि सुनने का समय

निजीकरण के खिलाफ और श्रम सुधारों को लेकर श्रमिक संगठनों की देशव्यापी हड़ताल का असर दिखा है। हाल के वर्षों में हम वक्त-वक्त पर ऐसी हड़तालें या बंद देखते रहे हैं। जाहिर है, श्रमिक संगठन ऐसा करके अपने हित के मुद्दे उठाते हैं, जो श्रम कानूनों, महंगाई, वेतन आदि से जुड़े होते हैं। इन मसलों के अनवरत बने रहने की एक बड़ी वजह हमारी नीतियों का 'डिमांड साइड इकोनॉमिक्स' के बजाय 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' पर आधारित होना है। 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' का मतलब है, कारोबारी हित में नीतियों का बनना, ताकि उत्पादों की आपूर्ति बढ़े। माना जाता है कि इससे कारोबारी ज्यादा निवेश के लिए उत्सुक होते हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है और अर्थव्यवस्था आगे बढ़ती है। मगर देखा यह गया है कि जब मांग कम हो, तब यह नीति काम नहीं करती। साल 2019 में ही जब केंद्र सरकार ने 'सप्लाई साइड इकोनॉमिक्स' के तहत कॉरपोरेट टैक्स कम किया, तब बाजार में मांग कम होने के कारण निवेश में इजाफा नहीं हुआ। निजी क्षेत्र ने इस सरकारी छूट का लाभ अपनी 'बैलेंस शीट' को ठीक करने में किया। नतीजतन, हमारी आर्थिक विकास दर गिरती चली गई।

'सप्लाई साइड' की नीतियां कारोबार-समर्थक और श्रमिक वर्ग के खिलाफहोती हैं। मजदूर आज इसलिए आंदोलनरत हैं, क्योंकि आर्थिक सुधारों के बाद से पूंजीपतियों के हित में नीतियां बनने लगी हैं। रही-सही कसर कोरोना महामारी ने पूरी कर दी है। इसमें विशेषकर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों की स्थिति काफी खराब हो गई है। 1,500 कंपनियों का अध्ययन करके रिजर्व बैंक ने जो आंकड़ा जारी किया है, वह बताता है कि कोरोना महामारी के दौरान कॉरपोरेट सेक्टर का लाभ तो 24 फीसदी तक बढ़ा है, जबकि बेरोजगारी और महंगाई ने मजदूर वर्गों की कमर तोड़कर रख दी है। इसकी मार संगठित क्षेत्र पर भी पड़ी है। खासकर, निविदा पर काम कर रहे मजदूरों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा है। इस दौरान सूचना-प्रौद्योगिकी और तकनीक के क्षेत्रों ने तो बेशक अच्छा काम किया है, लेकिन पर्यटन, कपड़ा एवं चमड़ा उद्योग जैसे क्षेत्र कोरोना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

अर्थव्यवस्था का एक सिद्धांत बताता है कि जितनी मजदूरी बढ़ेगी, कंपनियों का मुनाफा उतना कम होगा, और कंपनियां जितना फायदा कमाएंगी, मजदूरों का वेतन उतना कम होगा। पूंजीवाद में कंपनियों का रवैया अधिकाधिक लाभ कमाना होता है। चूंकि वेतन-वृद्धि न होने या सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा न मिलने की सूरत में मजदूर कई उपाय करते हैं, मगर कोई राहत न देख अंततः वे हड़ताल-बंद पर उतर जाते हैं। हालांकि, मजदूरों का एक बड़ा तबका असंगठित है (कृषि कर्म में ही 45 फीसदी आबादी लगी है) और यह तबका आंदोलन नहीं कर पाता, इसलिए हालिया श्रमिक आंदोलन बहुत असरंदाज होते नहीं दिखे।

यहां एक समस्या और है। 'लेबर एरिस्टोक्रेसी' (मजदूर अभिजातवर्ग) श्रमिक आंदोलन का एक बड़ा रोड़ा है। दरअसल, अधिकारी वर्ग के कामगार श्रमिकों के साथ संघर्ष करने से हिचकिचाते हैं। इसका फायदा कारोबारी उठाते हैं। उनकी मंशा भी यही होती है कि मजदूर संगठनों में मतभेद बना रहे। यही वजह है कि हम एक ही कारखाने में कई-कई मजदूर संघों को सक्रिय देखते हैं। चूंकि, अभी कामगार वर्ग में काफी उथल-पुथल है, इसलिए सत्तारूढ़ दल के संगठनों को छोड़कर कमोबेश देश के सभी संगठन एकजुट होकर आंदोलनों में जुटे हैं।

सन 1991 के बाद जब से अपने यहां नई आर्थिक नीतियां आई हैं, तभी से यह सोच बन गई कि नए कायदे-कानून श्रमिकों के विरुद्ध और कारोबारियों के हित में होंगे। इसीलिए, करीब चार साल तक, यानी 1995 तक हर वर्ष कम से कम दो बार 'भारत बंद' जैसे आंदोलन जरूर हुआ करते। मगर उनका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा और हालात दिन-ब-दिन कामगारों के खिलाफहोते गए। देखा जाए, तो अब हड़ताल या बंद जैसे आंदोलन श्रमिकों की निराशा की महज अभिव्यक्ति हैं। नए-नए अध्ययन इसी बात की तस्दीक करते हैं। जैसे, बजट के समय इसी फरवरी में आए प्राइस (पीआरआईसीई) सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि 2015-16 की तुलना में 2020-21 में सबसे गरीब 20 फीसदी आबादी की आमदनी 50 फीसदी तक गिर गई, जबकि इसी दौरान देश के सबसे धनाढ्य 20 फीसदी आबादी की आमदनी में 30 फीसदी का इजाफा हुआ। साफ है, अमीरों और गरीबों के बीच की असमानता 1990-91 के बाद बहुत तेजी से बढ़ी है, जिससे कामगार तबके के लिए मुश्किलें बढ़ी हैं। इसमें सरकारों की भी बड़ी भूमिका रही है। सन 1950 से 1990 के बीच श्रमिकों को जो अधिकार हासिल थे, वे बाद के वर्षों में धीरे-धीरे उनसे छीन लिए गए। आर्थिक नीतियां कारोबारियों के हित में बनाई जानी लगीं। इसने श्रमिकों की दुविधा बढ़ा दी है। विशेषकर संगठित क्षेत्र के कामगारों को यह डर सता रहा है कि यदि उनसे रोजगार छिन गया, तो वे भी असंगठित क्षेत्र का हिस्सा बन जाएंगे, जिसकी हालत बेहद खराब है।

कहने की जरूरत नहीं कि सरकारों को श्रमिकों के हित में सोचना चाहिए। अगर अपने देश में इतना बड़ा असंगठित क्षेत्र (इसे मैं 'रिजर्व आर्मी ऑफ लेबर' कहता हूं) न होता, तो श्रमिक कहीं ज्यादा मोल-भाव करने की हैसियत में होते। मगर ऐसा है नहीं। फिर, अत्याधुनिक तकनीक ने विशेषकर बैंकिंग जैसे क्षेत्र में श्रमिकों की जगह ले ली है। इसलिए, मजदूरों को निस्संदेह समर्थन दिया जाना चाहिए। आज के समय में रोजगार पैदा करना, महंगाई नियंत्रित करना, कामगारों को सामाजिक-आर्थिक सहयोग देना, पारदर्शिता बनाए रखना और मजदूर-हितैषी नीतियों को आगे बढ़ाना निहायत जरूरी है। हेनरी फोर्ड ने कभी कहा था कि जब तक मेरा वर्कर मेरी कार नहीं खरीद पाएगा, तब तक कार का 'मास प्रॉडक्शन' करके भला क्या होगा? उनका इशारा बाजार में मांग बढ़ाने की तरफथा। आज की सरकारों को इससे सबक लेना चाहिए। कामगारों को 'लिविंग वेज' मिलना ही चाहिए।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

पंकज चतुर्वेदी, वरिष्ठ पत्रकार

साहबी नदी अगर जिंदा हुई तो पेश होगी नई मिसाल

दिल्ली से सटा गुरुग्राम चार दशक पहले तक गुड़गांव नामक छोटा-सा कस्बा था। 1990 के दशक में दिल्ली में व्यापारिक गतिविधियां तेज हुईं, दिल्ली में जमीन की कीमतें बढ़ीं और दिल्ली से जयपुर के लिए चौड़ा हाईवे बना, तो गुरुग्राम एक आदर्श शहर के रूप में उभरा। गगनचुंबी इमारतें, दुनिया की सभी साइबर कंपनियों के दफ्तर और राजस्थान की सीमा तक फैला औद्योगिक क्षेत्र। दुनिया में इसे साइबर सिटी कहा जाने लगा और रियल एस्टेट के लिए गुरुग्राम हॉट स्पॉट बन गया। लेकिन बरसात के दिनों में इसकी 16 लेन चौड़ी सड़कों पर कई-कई किलोमीटर लंबा जाम हमारे विकास के दावों की पोल खोलता है। यहां कई-कई घंटों के जाम हर साल की त्रासदी हैं। जब लोग सड़कों पर जमा पानी में फंसते हैं, तब कोई पुरानी सरकार पर ठीकरा फोड़ता है, तो कोई दिल्ली पर, तो कोई मौजूदा सरकार पर। असल में, इस जाम का कारण गुरुग्राम की बेशकीमती जमीन और उसको हड़पने के लोभ में हड़पी गई वह नदी है, जो मूसलाधार बारिश के दिनों में भी पानी को अपने भीतर समेट नजफगढ़ झील तक ले जाने का प्राकृतिक रास्ता हुआ करती थी।

अब दिल्ली सरकार ने अपने बजट में साहबी नदी को पुनर्जीवित करने की घोषणा की है।

अभी डेढ दशक पहले तक बहा करती थी साहबी (साबी) नदी। जयपुर जिले के सेवर की पहाड़ियों से निकलकर यह नदी नजफगढ़ झील तक आती थी। कई जगहों पर इसका पाट एक एकड़ तक विस्तृत था। अब आपको जानकर आश्चर्य होगा कि इस नदी का गुरुग्राम की सीमा में राजस्व रिकॉर्ड ही नहीं है। साल 2010 में हरियाणा विकास प्राधिकरण, यानी हुडा ने नदी के जल ग्रहण क्षेत्र को 'आर जोन' में शामिल कर दिया। इससे पहले यहां नदी की जमीन कुछ किसानों के नाम थी। आर जोन में आते ही 50 लाख रुपये प्रति एकड़ की जमीन पर बिल्डरों की निगाह पड़ी और इसके दाम 15 करोड़ रुपये प्रति एकड़ तक पहुंच गए। जहां नदी थी, वहां सेक्टर 58 से लेकर सेक्टर 65 तक की कई कॉलोनियां बस गईं। ऐसे में, थोड़ी सी बारिश होने पर ही गुरुग्राम के पानी-पानी होने और साल भर बेपानी रहने का असली कारण केवल साहबी नदी का लुप्त होना है।

कभी इस नदी के जरिये नजफगढ़ झील का अतिरिक्त पानी यमुना में मिल जाया करता था। सन 1912 के आसपास दिल्ली के ग्रामीण इलाकों में बाढ़ आई थी। ब्रिटिश शासकों ने उस समय नजफगढ़ नाले को गहरा करके उससे पानी निकासी की व्यवस्था की। उस दौर में इसे नाला नहीं, बल्कि 'नजफगढ़ लेक एस्केप' कहा करते थे। इसके साथ ही नजफगढ़ झील के नाबदान और प्राकृतिक नहर के नाले में बदलने की दुखद कथा शुरू हो गई। सन 2005 में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नजफगढ़ नाले को देश के सबसे ज्यादा दूषित 12 'वेट लैंड' में से एक बताया था।

आज भी सामान्य बारिश की हालत में नजफगढ़ झील में 52 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में पानी भर जाता है। इसके रखरखाव के लिए अधिकृत संगठन 'इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट कल्चर ऐंड हेरीटेज' कभी इस झील क्षेत्र में आवासीय प्रोजेक्ट स्वीकृत किए जाने के खिलाफएनजीटी गया था, तब हरियाणा सरकार ने अपने हलफनामे में कहा कि नजफगढ़ झील नहीं, बल्कि बारिश के अतिरिक्त जल के जमा होने का निचला हिस्सा मात्र है। इस पर न्यायाधीश ने सरकार से पूछा था कि यदि यह झील नहीं है, तो आखिर झील किसे कहेंगे? एनजीटी ने फिर दिल्ली और हरियाणा की सरकारों को नजफगढ़ के पर्यावरणीय संरक्षण की योजना बनाने के निर्देश दिए थे। दिल्ली ने योजना तो बनाई, लेकिन उस पर अमल नहीं किया, वहीं हरियाणा ने कोई योजना ही नहीं बनाई। बहरहाल, साहबी नदी को जिंदा करने की अनिवार्यता पर विचार करते समय हमें एक वैश्विक त्रासदी को ध्यान में रखने की जरूरत है। साहबी केवल जल संरक्षण का जरिया नहीं है, बल्कि यह उस अरावली की पहाड़ियों की हरियाली और नमी को सहेजने के लिए भी जरूरी है, जो पाकिस्तान की तरफसे आने वाली गरम रेतीली हवाओं को रोकती है। साहबी से यदि नजफगढ़ झील के जरिये यमुना में साफ पानी का आगमन शुरू हो गया, तो पानी के लिए दीगर राज्यों पर दिल्ली की निर्भरता भी कम हो जाएगी। गुरुग्राम को बरसाती जल जमाव से मुक्ति मिलेगी और वहां का भू-जल स्तर भी सुधरेगा। बस संकट यही है कि साहबी को उसका पुराना स्वरूप लौटाने के लिए तीन राज्यों, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के बीच सामंजस्य कैसे हो? दिल्ली सरकार जो पहल कर रही है, उसका स्वागत है, लेकिन यह योजना केवल कागज पर न रहे, नदी को जीवित और उपयोगी बनाकर दिल्ली देश के सामने एक मिसाल रख सकती है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

श्रीमती अंजली जैन की कलम से...

अरे हिम्मत क्यों हारते हो, अभी तो वक्त काफी है, जोर-जोर से करो भगवान की प्रार्थना प्रभु के चरणों का साथ है।

-अंजली जैन
7024460938

अजीत द्विवेदी

भाजपा को हराना कैसे मुमकिन?

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों के बाद दो अलग अलग इंटरव्यू में चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा को हराना नामुमकिन नहीं है। उन्होंने सीएनएन-आईबीएन और दैनिक भास्कर को दिए इंटरव्यू में यह दावा किया और कई तरह के आंकड़े भी दिए। उन्होंने चुनाव नतीजों के बाद एक ट्विट करके कहा था कि राज्यों के चुनाव नतीजों से लोकसभा चुनाव के नतीजे तय नहीं होते हैं और 2024 का चुनाव 2024 में ही लड़ा जाएगा। वह देश का चुनाव होगा। उनकी बातों के तीन निष्कर्ष बहुत स्पष्ट हैं। पहला, राज्यों के चुनाव से लोकसभा के नतीजे तय नहीं होते। दूसरा, आधे हिंदू अब भी भाजपा के खिलाफ वोट डालते हैं और तीसरा, देश के बड़े हिस्से में अब भी भाजपा का कोई आधार नहीं है। ये तीनों बातें सही हैं फिर भी भाजपा को हराना कैसे मुमकिन होगा?

सबसे पहले इस पर विचार करें कि विधानसभा और लोकसभा के चुनाव अलग अलग होते हैं और राज्यों के चुनाव नतीजों से लोकसभा के नतीजे तय नहीं होते। इस बात के समर्थन में प्रशांत किशोर और विपक्ष के दूसरे नेता भी जो तर्क दे रहे हैं वह तर्क असल में सिर के बल खड़ा है। जैसे कहा जा रहा है कि 2018 के अंत में राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ तीनों राज्यों में भाजपा हार गई लेकिन पांच महीने बाद ही लोकसभा चुनाव में इन तीन राज्यों की 65 में से 63 लोकसभा सीटें भाजपा जीत गई। इसी तरह 2016 में पश्चिम बंगाल में भाजपा को विधानसभा की तीन सीटें मिली थीं लेकिन 2019 में लोकसभा की 18 सीटें जीत गई। ऐसे ही झारखंड में लोकसभा की 14 में से 12 सीटें जीतीं पर उसी साल विधानसभा का चुनाव हार गई। ऐसे कई राज्यों की मिसालें दी जा सकती हैं। लेकिन इस तर्क से तो यही प्रमाणित होता है कि राज्य में भले भाजपा हार जाए पर लोकसभा चुनाव में नहीं हारती है।

इसमें किसी मिसाल से यह प्रमाणित नहीं होता है कि भाजपा राज्य में जीत गई और लोकसभा हार गई। ऐसा किसी राज्य में नहीं हुआ है। अपवाद के तौर पर भी किसी राज्य में ऐसा नहीं हुआ है। हां, कई राज्यों में विधानसभा चुनाव भाजपा जरूर हारी लेकिन उन राज्यों में भी लोकसभा में बड़ी जीत हासिल की। सोचें, अगर राज्यों में हारने के बाद भी भाजपा लोकसभा जीत जाती है तो जिन राज्यों में विधानसभा में भी जीत रही है वहां लोकसभा का चुनाव कैसे हारेगी?

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे
9827806026, 7869620239

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

खास खबर

भाजपा ने जनता को वोट के बदले दिया महंगाई का अभिशाप- मोहन मरकाम

रायपुर। पेट्रोल डीजल सहित हर जरूरत के सामान की कीमतों में लगी हुई आग को भाजपा का अहंकार बताते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि हाल ही में हुए पांच राज्यों के चुनाव के बाद मोदी सरकार बेलगाम हो चुकी है। चार राज्यों में सरकार बनते ही भाजपा का जनता से सरोकार खत्म हो चुका है। जिस महंगाई को चुनाव तक मोदी सरकार ने किसी तरह रोक रखा था अब उसे बड़ी बेरहमी से जनता के ऊपर खुला छोड़ दिया गया है। 137 दिनों तक पेट्रोल डीजल की कीमतों को स्थिर रखने के बाद 22 मार्च से कीमतों में जबरदस्त बढ़ोतरी का क्रम जारी है। ट्रांसपोर्टेशन चार्ज भी बढ़ने लगा है और कीमतों में बढ़ोतरी का भयानक असर बाजार में देखने को मिल रहा है। कांग्रेस जनता को महंगाई से राहत दिलाने आंदोलन चलायेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि पिछले 7 दिनों में ईंधन के दाम 8 बार बढ़ चुके हैं। पिछले 7 सालों में केंद्र सरकार ने बार–बार पेट्रोल और डीजल पर करों में वृद्धि कर जनता से 26 लाख करोड़ रुपये वसूल लिए हैं। 2014 में घरेलू सिलेंडर की कीमत मात्र 410 रूपये थी अब वह दोगुनी होकर 1000 रूपये के पार जा चुकी है, साथ ही साथ गैस सिलेंडर की सब्सिडी भी समाप्त कर दी गई है। खाद्य तेल अनाज सब कुछ महंगा हो चुका है। आम आदमी की रसोई में बेरहम भाजपा सरकार सेंध लगाने पर तुली हुई है। अनाज के दाम 35 प्रतिशत मांसाहार के दाम 7.45 प्रतिशत महंगे हो गए हैं। सब्जियों के दामों में 26.13 प्रतिशत और मसालों के दाम में 30 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने कहा कि परिवहन का कोई भी साधन अब सस्ता नहीं रह गया है। हवाई यात्रा भाड़ा और ट्रेन भाड़े के साथ ही साथ टोल टैक्स में भी बढ़ोतरी कर दी गई है।

राज्य स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित हुए बुनकर और शिल्पकार

खादी कपड़ा नहीं एक विचार है : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि खादी कपड़ा नहीं बल्कि एक विचार है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने खादी को आजादी की लड़ाई का एक अस्त्र के रूप में इस्तेमाल किया था। महात्मा गांधी ग्राम स्वराज की कल्पना करते हुए वे चाहते थे कि हमारे गांव हर तरह से ताकतवर बनें। हम भी महात्मा गांधी की राह पर चलते हुए कारीगरों, बुनकरों, शिल्पियों का कौशल निखार रहे हैं। हर गांव एक उत्पादक और शहर विक्रय केन्द्र बनें। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि गांव स्वावलंबी और प्रदेश के लोग आत्मनिर्भर बनें।

मुख्यमंत्री ने इस आशय के विचार आज देर शाम पण्डरी छत्तीसगढ़ हाट बाजार में आयोजित 10 दिवसीय राज्य स्तरीय खादी तथा ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में व्यक्त किए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बुनकरों और शिल्पकारों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी की परिकल्पना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में ग्राम स्वराज के सपने को साकार करने के लिए सुराजी गांव योजना लागू की गई। इस योजना के अंतर्गत गांव–गांव गौठान का निर्माण कर उन्हें ग्रामीण औद्योगिक पार्क के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण औद्योगिक पार्कों में छोटे–छोटे उद्यम स्थापित कर बुनकरों, शिल्पकारों, कारीगरों को रोजगार के बेहतर मौके दिए जा रहे हैं। उनके काम को निखारा जा रहा है और उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप उत्पादन के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके लिए बजट में 600 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। जिससे यहां सर्वप्रथम पानी और बिजली की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि व्यापारी यहां के कास्तकारों को कच्चा माल उपलब्ध कराएं। शासन द्वारा यहां कार्य करने वालों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। कारीगर व्यापारी की डिजाइन अनुसार सामग्री तैयार कर उपलब्ध कराएंगे। इससे प्रदेश के लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा और वे आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने कहा कि नवा रायपुर में वर्धा के सेवाग्राम की तर्ज पर सेवा ग्राम की स्थापना की जा रही है। यहां बुनकरों, शिल्पकारों और कारीगरों को अपने व्यापार को बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह केन्द्र खादी के विकसित रूप में सामने आएगा और इस क्षेत्र में कार्य करने वाले को समृद्धि की ओर आगे बढ़ाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में इस वर्ष मुख्यमंत्री रेशम परियोजना शुरू की गई है। इस योजनांतर्गत एक हजार महिलाओं को चिन्हिंत कर उन्हें कोकून से धागाकरण का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस कार्य से यहां काम करने वाले महिलाओं को प्रति माह 6 से 7 हजार रूपए की आय होगी। उन्होंने कहा कि आगामी वित्तीय वर्ष में रेशम परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए रैली कोकून बैंक की स्थापना की जाएगी। प्रारंभ में 200 स्व–सहायता समूह को धागाकरण का प्रशिक्षण देकर कार्य सौंपा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 10 हजार 500 से अधिक गौठानों के निर्माण की स्वीकृति दी जा चुकी है, जिनमें से 8 हजार 500 से अधिक का निर्माण पूरा हो चुका है। यही गौठान रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क के रूप में विकसित होंगे।

कार्यक्रम को ग्रामोद्योग मंत्री गुरू रूद्रकुमार, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष राजेन्द्र तिवारी, मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर विधायक सत्यनारायण शर्मा, कुलदीप जुनेजा, महापौर एजाज ढेबर, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग महेन्द्र छाबड़ा, अध्यक्ष रायपुर विकास प्राधिकरण सुभाष धुप्पड़, माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष बालम चक्रधारी सहित प्रमुख सचिव ग्रामोद्योग डॉ. आलोक शुक्ला, प्रबंध संचालक खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड श्रीमती रेखा शुक्ला और खादी आयोग के सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

रैली कोसाफल से धागाकरण का प्रशिक्षण हुआ प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। बस्तर के साल वृक्षों में पाई जाने वाली रैली कोसा के धागाकरण का प्रशिक्षण धरमपुरा में प्रारंभ हो गया है। रेशम विभाग के उप संचालक जेपी बरिहा ने बताया कि बस्तर संभाग में उत्पादित रैली कोसाफ्लों का स्थानीय स्तर पर रेशम मिशन के अन्तर्गत धागाकरण कर स्वरोजगार के अवसर का सृजन किया जा रहा है। इससे इस प्राकृतिक उत्पाद का मूल्य संवर्धन के साथ ही स्थानीय ग्रामीण रहवासियों को बड़े पैमाने में रोजगार का मौका मिलेगा एवं पहले जो कोसा प्रदेश से बाहर जाता था उसका यहीं पर धागाकरण किया जाएगा।

पहले चरण में संभाग में कुल 780 महिला हितग्राहियों का चयन कर मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अन्तर्गत प्रत्येक हितगग्राहियों को 200 घण्टे का प्रशिक्षण पंजीकृत प्रशिक्षणदाता द्वारा दिया जाएगा। धागाकरण कार्य के लिए बस्तर जिले में 15 गांवों को पांच क्लस्टर में बांटकर वहां की 325 महिला हितग्राहियों प्रशिक्षण दिया जावेगा। इस कड़ी में बस्तर जिले में धरमपुरा ,चपका, छापरभानपुरी एवं राजनगर क्लस्टल में पंजीयन की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है।वहीं धरमपुरा में 19 महिला हितग्राहियों के प्रथम बैच का प्रशिक्षण कार्य 26 मार्च से प्रारंभ कर दिया गया है। प्रशिक्षण के बाद सभी हितग्राहियों को धागाकरण मशीन उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे वे धागाकरण कार्य कर स्वयं का रोजगार स्थापित कर सकें। इन चयनित एवं प्रशिक्षित महिला हितग्राहियों को 15 से 20 सदस्यों के स्व सहायता समूह के रूप में गठित कर उन्हें रैली कोसा के रूप में कच्चा माल की उपलब्धता एवं उत्पादित धागे के विक्रय से संबंधित व्यवस्था के संबंध में विस्तृत जानकारी कौशल प्रशिक्षण के दौरान दिया जाएगा। एक अनुमान के आधार पर वर्तमान में बस्तर संभाग में 1.5 से 02 करोड़ नग रैली कोसाफ्लों के उत्पादन का अनुमान है। रैली कोसाफ्लों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए साल वनों में रैली कैम्पों का आयोजन भी रेशम विभाग द्वारा प्रति वर्ष माह अगस्त–सितम्बर में किया जाता है। आने वाले समय में जिले एवं संभाग में और अधिक महिला हितग्राहियों को रैली कोसा धागाकरण की योजना से लाभान्वित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जगदलपुर ग्राम नानगुर में लगने वाले साप्ताहिक बाजार में सबसे अधिक रैली कोसाफ्ल की आवक होती है में रैली कोसाफ्ल के संग्रहण एवं प्रसंस्करण हेतु रेशम विभाग द्वारा 05 एकड़ शासकीय भूमि की मांग की गई है।

समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार का लक्ष्य : मंत्री भगत

94 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, 30 छात्राओं को मिली सायकल,मजरा टोला होंगे विद्युतीकृत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत भगत मंगलवार को बतौली के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय प्रांगण में आयोजित सायकल वितरण, सामूहिक विवाह एवं शिलान्यास कार्यक्रम में हुए शामिल हुए। इन अवसर पर उन्होंने सरस्वती सायकल वितरण योजना के तहत 30 छात्रों को सायकल वितरण, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत 94 जोड़ों को आशीर्वाद व शुभ कामनाएं दी तथा मैनपाट व बतौली विकासखण्ड के अविद्युतीकृत बसाहटों में मुख्यमंत्री मजरा टोला विद्युतीकरण योजना के तहत विद्युतीकरण के लिए भूमि पूजन भी किया।

आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री अमरजीत भगत

खाद्य मंत्री श्री भगत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पित है। लोगों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा मिले इस बात का ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह अंतर्गत दाम्पत्य सूत्र में बंधे 94 जोड़ों को गृहस्थ जीवन मे प्रवेश की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री भगत ने कहा कि पहले सामूहिक विवाह योजना में केवल 15 हजार रुपये मिलता था जिसे हमारी सरकार ने बढ़कर 25 हजार कर दिया है। इससे नव दंपत्तियों को कुछ राहत मिलेगी। श्री भगत ने आगे कहा कि मैनपाट और बतौली विकासखंड के ऐसे बसाहट जहां बिजली नहीं पहुंच पाई है वहां बिजली पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने मजरा टोला विद्युतीकरण योजना के तहत छूटे हुए सभी बसाहटों में बिजली पहुंचाने के लिए भूमि पूजन किया है, इसका काम शीघ्र शुरू हो जाएगा। इसी प्रकार सरस्वती सायकल योजना के तहत छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि अम्बिकापुर से सीतापुर सड़क निर्माण का कार्य लगभग पूरा हो गया है केवल पुलियो के पास काम शेष है जो बरसात के पहले वह भी पूरा हो जाएगा। श्री भगत ने यह भी कहा कि हमारी सरकार सड़को का जाल बिछाने का काम कर रही है। सीतापुर क्षेत्र में अब कुछ ही गांव शेष है जो मुख्य मार्ग से नहीं जुड़े है। उन्होंने छूटे हुए मार्गों के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने कहा।

खाद्य मंत्री ने कहा कि ग्रीष्म ऋतु में पेयजल की समस्या न हो इसके लिए हैंडपम्पों की मरम्मत व इरेजर पाइप डालने अभियान चलाने के निर्देश लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं। इसी तरह मरम्मत योग्य शाला भवनों के चिन्हांकन विकास खंड शिक्षा अधिकारी से कराकर सूची तैयार करने व बरसात से पहले जर्जर स्कूल भवनों की मरम्मत के निर्देश दिए हैं। उन्होंने घुटरापारा में स्वीकृत नवीन शाला भवन का निर्माण गुणवत्तापूर्ण कराने को कहा।

कृषि महाविद्यालय बेमेतरा का एन.एस.एस. शिविर आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा । कृषि महाविद्यालय ढोलिया के द्वारा ग्राम ढोलिया में डॉ प्रीति पैकरा के नेतृत्व में चल रहे राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन कार्य शनिवार को हुआ। इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ समरेंद्र सिंह, राज्य एनएसएस अधिकारी एवं पदेन उपसचिव छत्तीसगढ़ शासन तथा डॉ. के. पी वर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय ढोलिया के द्वारा स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पार्चन तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

हमारा एनएसएस परिवार मुख्य अतिथि डॉ समरेंद्र सिंह जी को अपने बीच में पाकर बहुत ही गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उनका आगमन हमारे लिए काफी सुखद रहा। हमारे स्वयं सेवक बहुत उत्साहित थे और उन्होंने यह विश्वास दिलाया है कि इस शिविर में और आगे आने वाले सभी शिविरो में हम अपना सहभागिता देंगे। स्वयंसेवक चांदनी एवं विभा ने सरस्वती वंदना, वैभव, सोयम एवं मनीषा ने राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत प्रस्तुत किया। डॉ प्रीति पैकरा कार्यक्रम अधिकारी ने विशेष शिविर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला कि इन सात दिवसीय शिविर में हमारे स्वयंसेवकों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए लोगो को नशा मुक्ति का सन्देश दिया, स्कूल परिसर की सफाई के साथ बच्चो को सफाई से सम्बंधित जानकारी दी, रैली के जरिए मतदान के महत्व को बताया कि क्यूँ हमे मतदान करना चाहिए।साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें हमारे स्वयंसेवकों के साथ–साथ स्कूली बच्चों ने और ग्रामीणजनों ने भी भागीदारी दी इस तरह सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन में विभिन्न लोकगीत और लोकनृत्य के द्वारा संदेश दिया गया जैसे कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ स्वच्छता इत्यादि माध्यम से मनोरंजन तथा जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया।

डॉ समरेंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों को पूरी लगन और सेवा भाव से स्वच्छता और अन्य कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेने को कहा उन्होंने स्वयंसेवक के रूप में अपने अनुभव साझा किया तथा युवाओं से अपील किया कि विद्यार्थी जीवन महत्वपूर्ण है, लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत तथा जन कल्याण व समाज कल्याण के कार्यो के लिए आगे आने का आह्वान किया।

निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों को दैनिक खर्चों का लेखा करना होगा प्रस्तुत

राजनांदगांव। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा उप निर्वाचन 2022 अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 73 खैरागढ़ उप निर्वाचन लडने् वाले प्रत्येक अभ्यर्थी को नाम निर्देशन दाखिल करते समय रिटर्निंग अधिकारी द्वारा दिए गये व्यय लेखा रजिस्टर (अनुलग्नक–ड.1), दौरान तीन बार दैनिक खर्चों का लेखा शासकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज खैरागढ़ के प्रथम तल में कार्यालयीन समयावधि सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक लेखा दल के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

खास खबर

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल होंगे विद्यार्थीः एक अप्रैल को होगा कार्यक्रम का आयोजन

रायपुर। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम आगामी एक अप्रैल को आयोजित किया जायेगा। इसमें राज्य के सभी विद्यार्थियों ए शिक्षकों और अभिभावकों की ज्यादा से ज्यादा सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राजभवन सचिवालय से उच्च शिक्षा एवं स्कूल शिक्षा विभाग को निर्देशित किया गया है। गौरतलब है कि परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम की 5वीं कड़ी का लाइव प्रसारण तालकटोरा स्टेडियम नई दिल्ली से राष्ट्रीय दूरदर्शन चैनल पर 01 अप्रैल 2022 को सुबह 11 बजे किया जाना है। यह कार्यक्रम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विद्यार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम है। इसमें प्रधानमंत्री द्वारा परीक्षा सत्र में विद्यार्थियों से परीक्षा की तैयारी ए उनकी मानसिक स्थिति आदि के संबंध में चर्चा की जाती है। यह कार्यक्रम देश के सभी राजभवनों और शिक्षण संस्थानों में आयोजित किया जायेगा।

मातृ-मृत्यु दर को कम करने के लिए आयोजित किया गया सास गोसैया सम्मेलन

रायपुर। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोखोपारा मे उच्च जोखिम गर्भवती महिलाओं के लिए परिवारजनों को परामर्श और चर्चा हेतु सास गोसैया सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री मातृत्व दिवस के दिन जो उच्च जोखिम की पहचान होती हैं, ऐसे सभी माताओं को उनकी सास और पतियों के साथ बुला कर समझाइश देने सम्मेलन आयोजित की गई। जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सम्मेलन में मातृ-मृत्यु के कारणों की समीक्षा की गई तथा उन वजहों को चिन्हित किया गया जिसे परिवार के लोगों को जागरूक करने से फायदेमंद हो सकता है। सम्मेलन में क्षेत्र के पार्षद जितेंद्र अग्रवाल, क्षेत्र की मितानिन एवम गर्भवती माताएं उपस्थित हुई। डॉ स्मृती देवांगन नोडल एम सी एच, गजेन्द्र डोंगरे जिला मिडिया प्रभारी तथा खोखोपारा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से प्रभारी डॉक्टर पंकज नगरची, डॉ प्रीति सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।इस अवसर पर डॉ प्रीति ने गर्भवतियों माताओं को होने वाले उच्च जोखिम के बारे में बताया। डॉ स्मृति ने बताया कि पहले के जमाने में जब शिशु जन्म लेता था तो मां का दूसरा जन्म होता था, ऐसा माना जाता था, क्योकि उस समय माताओं की मृत्यु दर अत्यधिक थी। बैठक में आयी सभी गर्भवतियों की सास और उनके पतियों को सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। गजेन्द्र डोंगरे ने शीघ्र पंजीयन और समय पर टिका और जांच के महत्व को बताया।

नवा रायपुर के प्रभावित ग्रामों का आवासीय सर्वे जारी

रायपुर। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा नवा रायपुर के प्रभावित ग्रामों का आवासीय सर्वे किया जा रहा है। मंत्री स्तरीय समिति के निर्देशानुसार सर्वे कार्य 15 फरवरी 2022 से प्रारंभ किया गया था। इस हेतु 7 दलों का गठन किया गया था। गठित दलों के द्वारा लेयर 1 के 11 ग्रामों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण से मिली जानकारी के अनुसार अटल नगर नवा रायपुर क्षेत्र के प्रभावित गांवों के 11 में से 8 गांवों का सर्वे सूची अब तक दावा-आपत्ति हेतु प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। 8 गांवों में से 1648 आवासीय पट्टा जो कि आवासीय भूमि या शासकीय भूमि पर स्थापित है, उन्हें पट्टा दिया गया है। 413 प्रकरणों में नया तार का घेरा, खुली भूमि, दुकान या होटल जैसे व्यवसायिक भूमि या कोई निवासरत नहीं होना, के आधार पर अपात्र पाया गया तथा 64 आवास ऐसे हैं जो निजी भूमि पर है। अटल नगर विकास प्राधिकरण ने कहा है कि नवा रायपुर प्रभावित किसान कल्याण समिति द्वारा आरोप लगाया जा रहा है कि अधिकतर ग्रामीणों को अपात्र सूची में रखा गया है, यह आरोप तथ्यहीन है। राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2011 की जनगणना सूची के आधार पर निवासियों को जहां पर स्थापित हैं, वहीं यथासंभव यथास्थिति पट्टा दिया जाना है। वर्तमान में 8 ग्रामों में सर्वे सूची का प्रारंभिक प्रकाशन किया गया है। 15 दिवस की समयावधि दावा आपत्ति हेतु इन प्रकरणों में दी गई है।

पेंशन बहाली के फैसले से कर्मचारियों के जीवन में आएगा बड़ा बदलावः भूपेश बघेल

सरकार के संवदेनशील फैसले के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि एक फैसले से जीवन किस तरह बदलता है, वह मुझे पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा से देखने को मिल रहा है। पुरानी पेंशन बहाली से एक ओर जहां सेवानिवृत्ति के बाद शासकीय अधिकारियों-कर्मचारियों का जीवन बिना किसी चिंता के बीतेगा, वहीं उनके परिवार को भी आर्थिक सम्बल मिलेगा।

श्री बघेल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली से कर्मचारियों के बुढ़ापे की चिंता दूर हुई है। हमारी सरकार प्रदेश के हर वर्ग के उत्तरोत्तर विकास के लिए निरंतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री बघेल राजधानी रायपुर के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में शिक्षक संवर्ग एवं पंचायत सचिव संघों के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने इस मौके पर पंचायत सचिवों के नियमितीकरण संबंधी मांग पर मुख्य सचिव स्तर पर कमेटी बनाने की घोषणा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति चाहता है कि उसके बच्चे अंग्रेजी माध्यम और उत्कृष्ट स्कूलों में पढ़ाई करें। सरकार ने गरीबों, वंचितों, निम्न आय वर्गों की पीड़ा को समझा और प्रदेश में 172 स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खोलने का काम किया। सरकार ने अब 32 उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम के स्कूल खोलने का भी निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि सरकार बनते ही हमने सर्वप्रथम किसानों की चिंता दूर करते हुए कर्जमाफी का काम किया। किसानों के उत्पाद को उचित मूल्य दिलाने के लिए समर्थन मूल्य के साथ-साथ इनपुट सब्सिडी के रूप में उन्हें न्याय दिलाने का भी काम किया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के चार चिन्हारी नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी के फायदों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी। बघेल ने कहा कि राज्य में गरीबों से लेकर अमीरों तक सबका राशन कार्ड बनाया गया है। सभी परिवारों को हर

माह 35 किलो चावल की पात्रता दी गई है। कोरोना काल में हमने गरीबों व वंचितों को 11 माह निःशुल्क चावल देने का काम किया है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए संसदीय सचिव चंद्रदेव राय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार अन्नदाता किसानों, कर्मचारियों, गरीबों, अदिवासियों, श्रमिकों और सर्वहारा वर्ग के हित में लगातार फैसले ले रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में शासन ने शिक्षा जगत का काला अध्याय खत्म करते हुए 1995 में डाइंग कैडर घोषित शिक्षकों के पद पर नई भर्ती की शुरूआत की है। शिक्षा कर्मियों के संविलियन के बाद अब उन्हें पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने जा रही है। सरकार के इस फैसले ने प्रदेश के शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों तथा उनके परिजनों के चेहरे की चमक बढ़ा दी है।

छत्तीसगढ़ शिक्षक संवर्ग और पंचायत सचिव मंच द्वारा आयोजित सम्मान कार्यक्रम में संयुक्त शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष केदार जैन, शालेय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विरेन्द्र दुबे, सर्व शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष विवेक दुबे, क्रांतिकारी शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष लैलून कुमार भारद्वाज, प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रभानु मिश्रा, पंचायत सचिव संघ के प्रदेश अध्यक्ष तुलसी साहू, शारीरिक शिक्षा शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष हरीश देवांगन, प्रदेश शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चेतन बघेल, विद्यालयीन शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय तिवारी, वरिष्ठ व्याख्याता संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. भूपेन्द्र गिलहरे, सर्व शिक्षक कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र बनाफर और राज्य शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष नरेन्द्र ठाकुर सहित अन्य पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

शिक्षक संवर्ग और पंचायत सचिव के 12 संघों ने पुरानी पेंशन बहाली पर मुख्यमंत्री बघेल का किया सम्मान

शिक्षक संवर्ग एवं पंचायत सचिव के 12 संघों ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल किए जाने पर आज इंडोर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सम्मान किया। प्रदेशभर से हजारों की संख्या में जुटे शिक्षकों और पंचायत सचिवों ने इस संवदेनशील फैसले के लिए मुख्यमंत्री के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि शिक्षकों के आंदोलनों में हमेशा मैं साथ रहा हूं। कर्मचारियों के हित में जो भी संभव हो सकेगा, हमारी सरकार इसके लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने कहा कि 1998 के बाद पहली बार राज्य में लगभग 15 हजार शिक्षकों की नियमित नियुक्ति हुई है। अब शिक्षकों को भविष्य में संविदा कर्मी या शिक्षाकर्मी नहीं कहलाना पड़ेगा। शिक्षकों को भी पूरा सम्मान मिलेगा। बघेल ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में भी अपने जीवन की परवाह किए बिना लोगों की जान बचाने के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों सहित शिक्षकों, पंचायत सचिवों, पुलिस के जवानों, सफाई कर्मचारियों और स्वास्थ्य कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कोरोना काल में सहयोग के लिए अधिकारियों-कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगे भी हम सबको मिल-जुल कर राज्य की प्रगति के लिए तत्परता से काम करने की जरूरत है।

कृषि छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर निर्माण हेतु मिला मार्गदर्शन

कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कैरियर डेव्हलपमेन्ट सेन्टर द्वारा कृषि छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. चंदेल ने कहा कि बढ़ती आबादी तथा शिक्षित युवाओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए आज-कल युवाओं के लिए बेहतर रोजगार प्राप्त करना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। ऐसे में छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास का महत्व बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को उनकी रूचि एवं योग्यता के अनुरूप कैरियर का चयन करने में कैरियर काउंसलिंग एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन के लिए कैरियर डेव्हलपमेन्ट सेन्टर को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। डॉ. चंदेल ने कहा कि जल्द ही कृषि छात्रों को सिविल सेवाएं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के तैयारी हेतु कोचिंग एवं आवश्यक

सुविधाएं विश्वविद्यालय परिसर में ही उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप शुरू करने के लिए भी आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान किया जाएगा।

कैरियर डेव्हलपमेन्ट सेन्टर के अध्यक्ष डॉ. जी.के. श्रीवास्तव ने कहा कि कृषि छात्रों के लिए कैरियर काउंसलिंग, व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास, उद्यमिता विकास आदि विषयों पर लगातार ऑफलाईन, ऑनलाईन तथा हाइब्रिड मोड में कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन किया जा रहा है। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के साथ ही अन्य कृषि महाविद्यालयों द्वारा भी इस प्रकार के आयोजन किए जा रहे हैं। कार्यशाला के संयोजक तथा कृषि महाविद्यालय रायपुर के अधिष्ठाता डॉ. एमपी ठाकुर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। कैरियर डेव्हलपमेन्ट सेन्टर के सदस्य सचिव डॉ. एस.एस. टुटेजा ने कार्यशाला का विषय प्रतिपादन किया।

कार्यशाला में ऐशियन सोसायटी फोर सस्टनेबल एग्रीकल्चर के अध्यक्ष डॉ. एम.एस. रेड्डी अलबामा संयुक्त राज्य अमेरिका ने कृषि छात्रों हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका में कैरियर की संभावनाएं विषय पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. एन.बी. चेट्टी कुलपति कृषि विश्वविद्यालय धारवाड़ ने भारत एवं विदेशों में कृषि शिक्षा के महत्व पर व्याख्यान दिया।

मां कर्मा जयंती कार्यक्रम में शामिल हुए मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया

लोगों की सुविधा के लिए बनाए जा रहे सामाजिक भवन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ.शिवकुमार डहरिया आरंग विकासखंड के ग्राम चोरभट्ठी एवं अकोलीकला में मां कर्मा जयंती के कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में साहू समाज कोरासी परिक्षेत्र द्वारा आदर्श विवाह की आयोजन किया गया। मंत्री डॉ.डहरिया ने नव दंपत्तियों को उनके नव जीवन के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी। डॉ.डहरिया ने ग्राम चोरभट्ठी में सामाजिक भवन के लिए दस लाख रूपए प्रदान करने की घोषणा की। डॉ.डहरिया ने अकोलीकला में 5 लाख रूपए की लागत से सीसी रोड और 6.5 लाख रूपए की लागत के सामुदायिक भवन बनाने की भी घोषणा की। डॉ.डहरिया ने उपस्थित जन समुदाय को माता कर्मा जयंती की शुभकामनाएं बधाई दी। डॉ.डहरिया ने कहा कि सामाजिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने के लिए अच्छे सुविधायुक्त भवन का होना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए आरंग ब्लॉक के

विभिन्न गांवों में सभी समाजों के सामाजिक भवन बनाए जा रहे हैं। गौरतलब है कि आरंग क्षेत्र में करीब 152 सामाजिक भवन के निर्माण की पहल की गई है। कार्यक्रम में विधायक धनेन्द्र साहू विशेष रूप से उपस्थित हुए।

मंत्री डॉ.डहरिया ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती के आशीर्वाद से हम सभी क्षेत्र में खुशहाली लाने के लिए सभी के सहयोग से कार्य कर रहे हैं। डॉ.डहरिया ने कहा कि प्रतिवर्ष चैत्र मास के कृष्ण पक्ष के पापमोचिनी एकादशी को भक्त माता कर्मा की जयंती मनाई जाती है। डॉ.डहरिया ने कहा कि माता कर्मा को माता-पिता से धार्मिक संस्कार मिले। उन्होंने अपने माता-पिता के सानिध्य में भगवत भक्ति में बाल्यकाल से रूचि ली। भगवान श्रीकृष्ण के प्रति इनके मन में गहरी श्रद्धा थी। योग साधना से मां कर्मा को दिव्य शक्तियां प्राप्त हुई थी, जिसके प्रभाव से वे बचपन में ही दीन दुखियों की सेवा का कार्य करती थी। उन्होंने बताया कि माता कर्मा ने अपनी अनुपम भक्ति से अन्याय के विरूद्ध संघर्ष तथा ईश्वर के प्रति श्रद्धा और विश्वास की शक्ति से परिचित कराया। उन्होंने मानव समाज को भाईचारे और समरसता का संदेश दिया।

कार्यक्रम को विधायक धनेन्द्र साहू ने सम्बोधित करते हुए सभी को भक्त शिरोमणि माता कर्मा की जयंती की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर पंचराम साहू, देवनाथ साहू, भीखलाल साहू, उमेश्वरी साहू, योगेश्वरी साहू, कोमल साहू, जनपद पंचायत आरंग अध्यक्ष खिलेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में विभिन्न जिलों से आए साहू समाज के पदाधिकारी एवं समाज के प्रमुख व्यक्ति मौजूद थे।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करेंः-
9303289950, 9827806026, 8962815243

नितिन रेड्डी भी हैं साउथ के जबरदस्त एक्शन हीरो, यूट्यूब पर इन नामों से देख सकते हैं उनकी हिंदी डब फिल्में

साउथ एक्टर नितिन रेड्डी आज यानी 30 मार्च को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करते हैं। फिल्म 'जयम' से अपनी शुरुआत करने वाले एक्टर नितिन रेड्डी साउथ सिनेमा का जाना माना नाम हैं। अपनी पहली फिल्म से ही उन्होंने एक अलग छवि बना ली थी, इसके लिए उन्हें बेस्ट मेल डेब्यू के लिए साउथ फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था। नितिन रेड्डी को न सिर्फ उनकी जबरदस्त एक्शन फिल्मों बल्कि उनके गुड लुक्स के लिए भी जाना जाता है। नितिन एक अभिनेता होने के साथ ही निर्माता भी हैं। यह सुधाकर रेड्डी के बेटे हैं। नितिन ने साउथ सिनेमा में एक से बढ़कर एक एक्शन फिल्में दी हैं। उनकी हिंदी डब्ड फिल्मों को आप यूट्यूब पर भी देख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं कि कौन सी हैं नितिन रेड्डी की वह फिल्में।

(जयम) हिंदी डब-'फिर होगी प्यार की जीत'

अभिनेता नितिन रेड्डी ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म जयम से की थी। साउथ में ये फिल्म जबरदस्त हिट हुई थीं। इस फिल्म को हिंदी में 'फिर होगी प्यार की जीत' नाम से आप यूट्यूब पर देख सकते हैं।

(अन्जनेयम) हिंदी डब-'माय बॉस बजरंगबली'

फिल्म अन्जनेयम जो हिंदी में 'माय बॉस बजरंगबली' में अभिनेता नितिन रेड्डी ने हनुमान भक्त की भूमिका निभाई है। इस फिल्म में एक्टर अर्जुन सरजा भी मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने बजरंगबली का किरदार निभाया था। इसके अलावा इस फिल्म में एक्टर प्रकाश राज और दिग्गज अभिनेत्रा सौम्या कृष्णन भी नजर आईं थीं। कृष्णा वामसी द्वारा निर्देशित यह फिल्म एक एक्शन थ्रिलर थी। इस फिल्म को आप हिंदी में यूट्यूब पर भी देख सकते हैं।

(साय) हिंदी डब-'आर पारः द जजमेंट डे'

नितिन रेड्डी की इस फिल्म को साउथ के जाने-माने निर्देशक एस एस राजामौली ने निर्देशित किया था और इस फिल्म से अभिनेता इंडस्ट्री में स्थापित हो गए थे। यह एक्शन थ्रिलर फिल्म है। फिल्म साय को आप हिंदी में आर पार: द जजमेंट डे नाम से यूट्यूब पर देख सकते हैं।

(टक्कारी) हिंदी डब-'मेरी लड़ाई'

साल 2007 में आई फिल्म टक्कारी को अम्मा राजशेखर द्वारा निर्देशित किया गया था। इस फिल्म अभिनेता नितिन ने एक ऐसे लड़के की भूमिका निभाई है, जो एक मिलेनियर की बहन का दिल जीत लेता है। इस फिल्म में रोमांस के साथ एक्शन भी है। फिल्म टक्कारी को आप मेरी लड़ाई नाम से यूट्यूब पर देख सकते हैं।

(अतादिस्त) हिंदी डब-डेयरिंग गुंडाराज

साल 2008 में आई फिल्म अतादिस्त में एक्टर नितिन के अपोजिट एक्ट्रेस काजल अग्रवाल दिखाई दी थीं। ए एस रवि कुमार द्वारा निर्देशित यह एक रोमांटिक एक्शन कॉमेडी फिल्म थी। इस फिल्म को आप डेयरिंग गुंडाराज के नाम से हिंदी में यूट्यूब पर देख सकते हैं।

'आरआरआर' हिंदी का कलेक्शन 100 करोड़ के पार, नेट कमाई का अब तक इतना रहा आंकड़ा

निर्माता डी वी वी दानय्या की फिल्म 'आरआरआर' के हिंदी संस्करण का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन मंगलवार को सौ करोड़ रुपये का निशान पार कर गया। फिल्म 'पुष्पा पार्ट 1' के बाद ये दूसरी तेलुगू फिल्म है जिसने मूल फिल्म के साथ ही हिंदी में रिलीज होकर ये आंकड़ा छुआ है। फिल्म के तेलुगू संस्करण के साथ साथ हालांकि हिंदी संस्करण का कारोबार भी मंगलवार को कम हुआ और फिल्म के कलेक्शन में लगातार हो रही गिरावट फिल्म के निर्माता व वितरकों के लिए चिंता का विषय भी बनी हुई है। इस बीच फिल्म के कुल कलेक्शन और नेट कलेक्शन को लेकर भी फिल्म जगत में अपनी अपनी तरह के अनुमान लगाए जा रहे हैं।

ओपनिंग में फिल्म 'बाहुबली' को पछाड़ा

निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म 'रौद्रम् रणम् रुधिरम' यानी 'आरआरआर' की ओपनिंग जिस तरह से हुई थी, उससे लग रहा था कि ये फिल्म उनकी पिछली फिल्म 'बाहुबली' की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ देगी। फिल्म 'आरआरआर' ने फिल्म 'बाहुबली 2' से बेहतर ओपनिंग लेते हुए पहले दिन पूरे देश में कुल 130 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। इसमें फिल्म के तेलुगू संस्करण की कमाई 100.13 करोड़ रुपये, हिंदी संस्करण की कमाई 20..07 करोड़ रुपये, तमिल की 6.5 करोड़ रुपये, मलयालम की 3.1 करोड़ रुपये और कन्नड़ संस्करण की कमाई 20 लाख रुपये शामिल थी। फिल्म 'बाहुबली 2' ने रिलीज के पहले दिन 121 करोड़ रुपये की कमाई की थी, इसमें तेलुगू संस्करण की 58, हिंदी की 41, तमिल की 17 और मलयालम संस्करण की पांच करोड़ रुपये की कमाई शामिल रही।

दूसरे दिन हालत कमजोर रही

पहले दिन बढ़त मिलने के बाद ये माना जा रहा था कि अब फिल्म 'आरआरआर' का कलेक्शन हर दिन फिल्म 'बाहुबली 2' से ऊपर ही रहेगा। लेकिन फिल्म की रिलीज के दूसरे दिन ही फिल्म 'आरआरआर' के पांव लड़खड़ा गए। शनिवार को फिल्म ने कुल 86.7 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। इसमें तेलुगू संस्करण की कमाई 52.65 करोड़ रुपये, हिंदी की 23.75 करोड़ रुपये, तमिल की 7.5 करोड़ रुपये, मलयालम की 2.5 करोड़ रुपये और कन्नड़ संस्करण की 30 लाख रुपये की कमाई शामिल रही। फिल्म 'बाहुबली 2' ने रिलीज के अगले दिन यानी शनिवार को तेलुगू में 32 करोड़, हिंदी में 40.50 करोड़, तमिल में 13.50 करोड़ और मलयालम में चार करोड़ रुपये मिलाकर कुल 90 करोड़ की नेट कमाई की थी।

रविवार को फिर आया उछाल

शुरुआती रुझानों में पिछड़ने के बाद रविवार को फिल्म 'आरआरआर' ने फिर जोर पकड़ा और उस दिन इसका कलेक्शन 100.3 करोड़ रुपये रहा। इस दिन इसने तेलुगू में 56.70 करोड़ रुपये, हिंदी में 31.50 करोड़, तमिल में 8.5 करोड़, मलयालम में 3.3 करोड़ रुपये और कन्नड़ में 30 लाख रुपये मिलाकर कुल 100.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। हालांकि फिल्म 'बाहुबली 2' का कलेक्शन रिलीज के बाद वाले रविवार को 93 करोड़ रुपये ही रहा था। फिल्म 'बाहुबली 2' ने रविवार को तेलुगू में 33 करोड़, हिंदी में 46.50 करोड़, तमिल में नौ करोड़ और मलयालम में 4.50 करोड़ रुपये कमाए थे।

मंडे टेस्ट में कमजोर पड़ी 'आरआरआर'

फिल्म 'बाहुबली 2' ने जहां अपना पहले मंडे टेस्ट शानदार तरीके से पास करते हुए रविवार के मुकाबले सिर्फ 13 फीसदी गिरावट दर्ज करते हुए 80 करोड़ रुपये कमाए थे। वहीं फिल्म 'आरआरआर' का कारोबार सोमवार को रविवार के मुकाबले आधे से ज्यादा गिर गया। फिल्म 'आरआरआर' ने सोमवार को सिर्फ 48.80 करोड़ रुपये की कमाई की, इसमें तेलुगू की 28.50 करोड़ रुपये, हिंदी की 17 करोड़ रुपये, तमिल की 3.1 करोड़ रुपये और मलयालम व कन्नड़ 10-10 लाख रुपये कमाई शामिल रही। फिल्म 'बाहुबली 2' की सोमवार की कमाई में हिंदी की कमाई 40.25 करोड़ रुपये, तेलुगू की 27.75 करोड़ रुपये, तमिल की आठ करोड़ रुपये और मलयालम की चार करोड़ रुपये कमाई शामिल रही।

मंगलवार को कमाए सिर्फ 40 करोड़

फिल्म 'आरआरआर' के पांचवे दिन यानी मंगलवार के आंकड़े और कमजोर दिख रहे हैं। शुरुआती रुझानों के हिसाब से फिल्म ने मंगलवार को सिर्फ 40 करोड़ रुपये का ही कारोबार किया। फिल्म के हिंदी संस्करण की कमाई मंगलवार को फिर तेलुगू संस्करण की कमाई से आगे निकल गई है। हिंदी में जहां फिल्म ने करीब 15.30 करोड़ रुपये की कमाई शुरुआती रुझानों के हिसाब से की है, वहीं तेलुगू में फिल्म 'आरआरआर' की कमाई सिर्फ 13 करोड़ रह गई है। फिल्म के घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये का आंकड़ा छूने में अब काफी समय लगता दिख रहा है। फिल्म 'बाहुबली 2' ने रिलीज के पहले हफ्ते में ही 500 करोड़ रुपये की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कर ली थी। फिल्म 'आरआरआर' का मंगलवार तक का नेट कलेक्शन करीब 406 करोड़ रुपये हो पाया है।

मार्वल की कहानियों का अब तक का सबसे भ्रमित नायक

एक देह में दिखी दो आत्माएं

मार्वल स्टूडियोज ने अब ये तय कर लिया है कि अपने यूनीवर्स के प्रशंसकों को किसी और फ्रेंचाइजी के आकर्षण में बंधने नहीं देना है बल्कि उनकी सभी इंद्रियों को अपने काबू में रखकर उन्हें एक ऐसी दुनिया में खोए रखना है जिसमें हर पल एक नया कौतूहल है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई मार्वल स्टूडियोज की नई वेब सीरीज 'मून नाइट' इन कपोल कल्पित कथाओं का विश्वव्यापी विस्तार करने की कोशिशों की नई कड़ी है। ये अच्छा ही है कि मार्वल स्टूडियोज अपनी कहानियों में दुनिया के बाकी देशों की लोक कथाओं को सिनेमाई शक्ल दे रहा है। डॉक्टर स्ट्रेंज का नेपाल भ्रमण अब अनायास नहीं है। इटर्नल्स का हिंदी सिनेमा तक पहुंच जाना अब अचरज नहीं है। और, पाकिस्तानी मूल की किसी किशोरी का अब 'मिस मार्वल' बन जाना भी हैरान नहीं करता। 'वसुधैव कुटुंबकम' को मार्वल ने भी अपना लिया है और उसकी वेब सीरीज 'मून नाइट' अब मिस्र की लोककथाओं तक पहुंच चुकी है।

सोते में जागने वाला नायक

इस्लामोफोबिया का मुकाबला करने को 'मिस मार्वल' के आने में अभी थोड़ा समय है। इस बीच वेब सीरीज 'मून नाइट' मिस्र की तरफ दुनिया भर के दर्शकों को ले चली है। मार्वल की फिल्मों के प्रशंसक रहे दर्शकों ने बीते दो साल में 'वांडा विजन' से लेकर 'फॉल्कन एंड द विंटर सोल्जर', 'लोकी', 'व्हाट इफ' और 'हॉकआई' के जरिये वास्तविकता और कल्पनाओं के बीच बसे ऐसे संसार देखने शुरू किए हैं, जिनके बारे में कुछ साल पहले तक सोचना भी मुश्किल था। एक ही समय सारिणी में अलग अलग कालखंडों को पिरोती ये कहानियां सच्चाई और कल्पना का भेद मिटाती जा रही हैं। वेब सीरीज 'मून नाइट' के नायक को भी हम इसी मतिभेद में पाते हैं। वह पैरों में चेन बांधकर सोता है। सोने से पहले बिस्तर के चारों तरफ बालू बिखेर देता है ताकि अगर नींद में चलकर वह कहीं जाए तो सुबह उसे इसका पता चल जाए। दरवाजे को ताला मारने के बाद वह उस पर टेप भी इसीलिए चिपकाता है।

देह एक, आत्माएं अनेक

जिन लोगों ने साल 1975 में आई मून नाइट के किरदार वाली मार्वल कॉमिक्स 'वेयरवुल्फ बाई नाइट स32' पढ़ रखी है, उन्हें पता है कि ये कहानी एक ऐसे किरदार मार्क स्पेक्टर की है जिसकी तीन पहचानें हैं, स्टीवन ग्रांट, जेक लॉकली और मिस्टर नाइट। वेब सीरीज 'मून नाइट' के पहले एपीसोड की शुरुआत स्टीवन ग्रांट से होती है। और, एपीसोड के अंत तक आते आते समझ आता है कि उसके शरीर में कोई मार्क स्पेक्टर भी रहता है। उसे समझ आने लगता है कि सोते जागते उसके दिमाग में बजते रहने वाली आवाज किसकी है और उसे कुछ कुछ ये भी समझ आने लगता है कि जिसे वह सपनों का भ्रम मानकर व्याकुल होता रहा है, उसकी असलियत क्या है? और ऐसा क्या है कि वह अपनी महिला मित्र से मिलने का समय और दिन तय करके भी भूल जाता है?

कमजोरियों का पुतला निकला नायक

वेब सीरीज 'मून नाइट' के पहले एपीसोड में सीरीज का नायक स्टीवन ग्रांट खुद से लड़ता दिखता है। वह कमजोरियों का पुतला दिखता है। ऐसा दब्बू इंसान जिसे हर कोई हड़काता रहता है, लेकिन अपने नायक का ये रूप निर्देशक मोहम्मद डियाब ने जानबूझकर गढ़ा है। तयशुदा कहानी के नायकों को अपने चरम पर लाने के पहले उनको कमजोर दिखाना, फिर किसी दैवीय शक्ति से उनको असीमित बल मिल जाना एक सेट टैम्पलेट की कहानी बताता है। मार्वल से उम्मीद हर बार यही की जाती है कि वह अपने प्रशंसकों को कथ्य से चौंकाएंगे। यहां सिवाय एक इंसान की अलग अलग पहचानों के बाकी कहानी 'आयरनमैन', 'हल्क' और 'कैप्टन अमेरिका' जैसी इंसानी कमजोरियों से ही शुरू हो रही है। एपीसोड के आखिर तक आते आते हालांकि स्टीवन को समझ आ जाता है कि कुछ तो है जिसकी पर्दादारी है और ये भी कि खुद को खोकर ही खुद को पाया जा सकता है।

विवेक अग्निहोत्री को ब्रिटेन से आया बुलावा, ब्रिटिश संसद में कश्मीरी पंडितो पर करेंगे बात

फिल्ममेकर विवेक रंजन अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स बॉक्स ऑफिस पर नए रिकॉर्ड बना रही है। फिल्म ने अब तक बॉक्स ऑफिस पर 231 करोड़ रुपए की कमाई की है। इसके साथ ही अब विवेक को ब्रिटिश संसद ने बुलाया है। जिसके साथ ही अब विवेक वहां कश्मीरी पंडितों के बारे में बात करेंगे। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की सक्सेस को देख कर अब इसे अन्य भाषाओं में भी रिलीज किया जा रहा है।

हम अपने उद्देश्य में कामयाब हो रहे हैः विवेक

एक मीडिया इंटरव्यू में विवेक ने बताया, 'हां मुझे और मेरी पत्नी पल्लवी जोशी को ब्रिटिश संसद में आमंत्रित किया है। हम अगले महीने वहां जाएंगे। हमने अपनी फिल्म कश्मीर फाइल्स को कश्मीर पंडितों पर हुए अत्याचार और नरसंहार को दुनिया के कोने-कोने तक पहुंचाने के उद्देश्य से बनाया गया। मुझे इस बात की खुशी है कि हम अपने उद्देश्य में कामयाब हो रहे हैं। विवेक ने इंटरव्यू में आगे कहा, फिल्म देश दुनिया के कोने में अपने पहुंच रही है। इसके लिए हमने कुछ नहीं किया। क्योंकि लोगों को प्रभावित करने की शक्ति हमारे पास नहीं है। यह सब ईश्वर के हाथ में है, हम बस एक माध्यम हैं।

फिल्म में नहीं है कोई बड़ा स्टार

इस फिल्म में अनुपम खेर के अलावा मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार, पल्लवी जोशी, पुनीत इस्सर, मृणाल कुलकर्णी समेत कई कलाकार लीड रोल में हैं। 'द कश्मीर फाइल्स' में कश्मीरी पंडितों की उस वक्त की कहानी को दिखाया गया है, जब 90 के दशक में उन्हें अपने ही राज्य से निकाल दिया गया था। फिल्म को अभिषेक अग्रवाल ने प्रोड्यूस किया है।

रणबीर कपूर की ब्रह्मास्त्र की शूटिंग हुई पूरी

रणबीर कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म ब्रह्मास्त्र के पार्ट 1 की शूटिंग पूरी हो गई है। इसका फाइनल शेड्यूल उत्तर प्रदेश के वाराणसी में शूट हो रहा था। इस बात की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दी है। ब्रह्मास्त्र में रणबीर के अलावा अमिताभ बच्चन, आलिया भट्ट, नागार्जुन और मौनी रॉय नजर आएंगी। फिल्म को अयान मुखर्जी डायरेक्ट कर रहे हैं। ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

संविदा के आधार पर पार्ट टाइम शिक्षकों का नियोजन

रोजगार सूचना सं.: ई/पीबी/आर/आरसीटी/2022/ई-837, दिनांक 22.03.2022.

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की मिश्रित उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेलवे कॉलोनी चरोदा, जिला दुर्ग में सेवा प्रदान करने के लिए पार्ट टाइम शिक्षकों की शैक्षणिक सत्र 2022-23 हेतु संविदा आधार पर नियोजन हेतु साक्षात्कार का आयोजन किया जा रहा है। जिसका संक्षिप्त विवरण निम्नांकित है:

पद का नाम एवं रिक्तियों की संख्या	पीजीटी-05 (भौतिकी, रसायन, भूगोल, कॉमर्स, अंग्रेजी) टीजीटी-05 (एसएसटी, संस्कृत, हिन्दी, कम्प्यूटर विज्ञान, शारीरिक शिक्षा) पीएसटी-02
मासिक समेकित वेतन	पीजीटी-05 - ₹27,500/- टीजीटी-05 - ₹26,250/- पीएसटी-02 - ₹21,250/-
स्थान एवं समय	मिश्रित उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेलवे कॉलोनी चरोदा, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, **सुबह 09.00 से 10.00 बजे तक।**
पीजीटी हेतु साक्षात्कार की तिथि	21.04.2022
टीजीटी एवं पीएसटी हेतु साक्षात्कार की तिथि	22.04.2022

अभ्यर्थियों को सलाह दिया जाता है कि आप सभी मूल प्रमाण पत्र साथ लावें।
इस अधिसूचना से संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए कृपया इस रेलवे की वेबसाइट **https://secr.indianrailways.gov.in → News/Press Release/ Recruitment→Recruitment→Raipur** में लाग ऑन करें।

पीआर/आर/सीनि.डीपीओ/आईपी/178 कृते मंडल रेल प्रबंधक/कार्मिक/रायपुर

South East Central Railway @secrail

प्रवेश प्रारंभ शिक्षक कल्याण शिक्षण समिति द्वारा संचालित प्रवेश प्रारंभ प्रवेश प्रारंभ
पंजीयन क्रमांक - 441
विद्या ददाति विनयम
महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय
बजरंग चौक, राम नगर, भिलाई
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
संचालित कक्षा - नर्सरी से कक्षा 12वी तक
प्रवेश प्रारंभ 1 फरवरी 2022 से
शाला की विशेषताएँ -
- न्युनतम मासिक शुल्क।
- सर्वसुविधा युक्त शाला भवन।
- प्रशिक्षित शिक्षकों द्वारा अध्यापन।
- सभी कमरो में सी.सी.टी.वी. कैमरों की व्यवस्था।
- समय-समय पर शैक्षणिक भ्रमण।
- मेघावी छात्रों का सम्मान।
- बच्चों का सर्वांगीण विकास हेतु निबंध, चित्रकला, हस्तकला, वाद-विवाद आदि की प्रतियोगिता।
- अधिक विद्यार्थी होने पर वर्ग विभाजन।

प्रवेश प्रारंभ नर्सरी से 12वी तक
प्रवेश प्रारंभ
हिन्दी माध्यम नर्सरी से कक्षा बारहवी तक
अंग्रेजी माध्यम Nursery to Class 8th
संपर्क - महारानी लक्ष्मी बाई विद्यालय
बजरंग चौक, राम नगर मुक्तिधाम, भिलाई
समय-प्रात : 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक
मो. नं. - 9993374974, 8817101734

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Luxurious Spa
SALON & SPA
Spa, Salon
Skin, Sliming
Call
0788-4049144
98930-20144
50% OFF
2nd Floor, Above kavya Showroom, Bside Hotel The Floret, G.E. Road, Bhilai

कलश ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषण के निर्माता एवं विक्रेता
हमारे यहां उचित ब्याज पर गिरवी रखी जाती है।
देवांगन होटल के बाजू में, मुक्तिधाम रोड, रामनगर, भिलाई, जिला-दुर्ग
9074621825

भोलू मोबाईल रिपेयरिंग एवं साफ्टवेयर
सभी प्रकार के मोबाईल रिपेयरिंग किया जाता है
(All IC Work)
मो. - 87199 99358
9131918132
शॉप नं.-148, आकाशगंगा, सुपेला, भिलाई

खास खबर

सांसद दीपक बैज ने लोकसभा में उठाया आदिवासियों का मुद्दा

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद बैज ने लोकसभा में आदिवासियों से संबंधित मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से कई वर्षों पहले पलायन कर तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में रहने वाले आदिवासियों को वहां की सरकारें जुल्म कर रही है उन्हें घर से बेघर किया जा रहा है। सांसद दीपक बैज ने यह मामला उठाते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के हजारों आदिवासी दूसरे राज्यों में पलायन कर चुके हैं। ऐसे में अब उन पर समस्याएं आन पड़ी है। उन आदिवासियों को अब दूसरे राज्यों से भी भगाया जा रहा है। उनके घर तोड़े जा रहे हैं, जिससे हजारों आदिवासी बेघर हो रहे हैं। दीपक बैज ने कहा कि तेलंगाना और आंध्रप्रदेश में हजारों आदिवासी कई वर्षों पहले पलायन कर चुके हैं, जिन पर वहीं की सरकारें जुल्म ढा रही है. उनके मकानों को तोड़ा जा रहा है, उनको भगाया जा रहा है। दीपक बैज ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने प्रशासन की एक टीम गठित की है, जिससे आदिवासियों को चिन्हांकित कर मदद कर सके, लेकिन वहां की सरकारें आदिवासियों पर जुल्म कर रही है। उन्होंने कहा कि मेरी मांग है कि केंद्र सरकार उक्त आदिवासियों की मदद करे।

खाद्य मंत्री ने एयरपोर्ट उन्नयन कार्य का किया निरीक्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री अमरजीत भगत ने मंगलवार को दरिमा स्थित मां महामाया एयरपोर्ट के उन्नयन कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने एयरपोर्ट में चल रहे उन्नयन कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने रन-वे निर्माण में धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अगले 10 दिन में कार्य मे प्रगति लाएं। मंत्री श्री भगत ने कहा कि रन-वे सहित अन्य कार्यों को पूरा करने की समय-सीमा तय है। अधिकारियों द्वारा भी समय पर काम पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई। इसलिए कार्य में ढिलाई नहीं चलेगी। जो कहा है उसे कर के दिखाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अधिकारी ठेकेदार के कार्य की कड़ी निगरानी करें। प्रतिदिन कार्य का टारगेट दें। किसी प्रकार की समस्या हो तो कंसल्टेंट से समन्वय करें। ज्ञातव्य है कि मां महामाया एयरपोर्ट में 72 सीटर विमान सेवा शुरू करने के लिए रन-वे की लंबाई में विस्तार कार्य के साथ सुदृढ़ीकरण के कार्य भी किए जा रहे हैं। उन्नयन कार्य के लिए राज्य शासन द्वारा 46 करोड़ 27 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था की मजबूती, पहचान बनेंगे प्रधानमंत्री आवास-पीएम मोदी

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि आज मध्यप्रदेश के सवा 5 लाख गरीबों को उनके सपनों का पक्का घर मिला है। कुछ ही दिनों में नव विक्रम संवत्सर 2079 प्रारंभ होने जा रहा है। नव वर्ष पर नवगृह प्रवेश मंगलकारी है। ये प्रधानमंत्री आवास सशक्त होते गरीब, नारी सशक्तिरकरण एवं ग्रामीण अर्थ-व्यवस्था की मजबूती की पहचान बनेंगे। इनसे गाँवों में रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से देश में 2 करोड़ घरों पर महिलाओं को मालिकाना हक मिला है। पक्के आवास के साथ ही उन्हें शौचालय, बिजली, एलईडी बल्ब, गैस एवं नल कनेक्शन भी मिले हैं। यह आर्थिक फैसलों में महिलाओं की भागीदारी को मजबूत करेगा। दुनिया की यूनिवर्सिटीज में यह केस स्टडी का विषय है। प्रधानमंत्री मोदी आज मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना में निर्मित 5 लाख 21 हजार आवासों में हितग्राहियों के गृह-प्रवेशम कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान छतरपुर जिले से कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में गरीबी दूर करने के नारे तो बहुत लगाये गये परंतु जो कार्य होना था, वह नहीं हुआ। अब सरकार के ईमानदार प्रयासों एवं गरीबों के सहयोग से गरीबी परास्त हो रही है। सबका साथ-सबका विकास हो रहा है। केन्द्र और राज्य मिलकर गरीबी दूर करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री आवास के माध्यम से महिलाएँ लखपति हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ये आवास गरीबी दूर करने की पहली सीढ़ी है। ये गाँवों एवं गरीब को विश्वास देने की सरकार की प्रतिबद्धता के प्रतीक है। जब गरीब पक्की छत के नीचे सोयेगा, तब वह निश्चिंत होकर अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई एवं अन्य कार्यों पर ध्यान दे पाएगा। हमारी सरकार देश में ढ़ाई करोड़ गरीब परिवारों को पक्का आवास दे चुकी है, जिनमें 2 आवास करोड़ ग्रामीण क्षेत्र में घर हैं। मध्यप्रदेश में 30 लाख से अधिक प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुए हैं, जिनमें 24 लाख से अधिक पूर्ण हो गये हैं। प्रदेश में बैगा, सहरिया एवं भारिया जैसी पिछड़ी जनजातियों को भी पक्के घर मिल गये हैं, जिन्होंने पक्के आवास के बारे में कभी सोचा भी नहीं था। इसके लिये मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी सरकार बधाई के पात्र हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश में महिलाओं की परेशानी दूर करते हुए 6 करोड़ से अधिक परिवारों को नल से जल पहुँचाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में आज 50 लाख परिवारों तक पाइप से पानी पहुँचाने के पड़ाव के बहुत निकट है। हम हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से पेयजल पहुँचाने के लिये प्रतिबद्ध हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन गरीबों को अभी पक्का घर नहीं मिला है, वे आशवस्त रहें, सभी को शीघ्र की पक्का घर मिलेगा। देश में इस वर्ष 80 लाख पक्के घर बनाये जाने के लिये राशि का प्रावधान किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के भी लाखों परिवारों को लाभ होना तय है। अब तक इस योजना में सवा 2 लाख करोड़ रूपये से ज्यादा खर्च किये जा चुके हैं। सरकार गरीबों के सुख-दुख की साथी है, उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। कोरोना काल में भी विकास कार्य जारी रहे। सरकार गरीबों के प्रति अत्यंत संवेदनशील है। उन्हें मुफ्त वैक्सीन, मुफ्त राशन दिलवाया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को आगामी 6 माह के लिये बढ़ा दिया गया है। आज पूरी दुनिया लड़ाई के मैदान में उतरी हुई है, उसके कारण भी अनेक प्रकार की आर्थिक व्यवस्थाओं पर नया संकट पैदा होता जा रहा है। युद्ध ने आज अर्थ-व्यवस्था पर विपरीत प्रभाव डाला है परंतु भारत के नागरिकों पर इसका असर न पड़े, ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार गरीबों को समर्पित है, दिन-रात उनके लिये काम करती है। हमारा उद्देश्य है कि सरकार की हर योजना शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों तक और उनके घर तक पहुँचे। हमारी नियत एवं नीति आखरी पंक्ति के व्यक्ति तक को लाभ देने की है। राशन योजना में 4 करोड़ ऐसे व्यक्तियों के नाम हटाये गये, जो फर्जी तरीके से जुड़ गये थे।

एम्स के डायरेक्टर ने अपना पक्ष रखने के लिए आयोग से की समय की मांग

पीड़िता को आयोग ने प्लेसमेंट एजेंसी से दो माह का वेतन 64 हजार रुपये का चेक दिलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक एवं सदस्य सुश्री शशिकांता राठौर एवं श्रीमती अर्चना उपाध्याय की उपस्थिति में आज शास्त्री चौक स्थित, राज्य महिला आयोग कार्यालय में महिलाओं से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए सुनवाई की गई। आज एम्स के दो प्रकरणों में एम्स के डायरेक्टर ने बताया कि मृतका साक्षी दुबे के आत्महत्या के मामले में आमानाका पुलिस थाना और एम्स के स्तर पर जांच जारी है।

एम्स की जांच रिपोर्ट आयोग कार्यालय में प्रस्तुत करने के साथ आवेदिका को भी इसकी प्रति देने की बात कही है। इस प्रकरण में आवेदिका पक्ष ने जो दस्तावेज लगाए हैं उनमें वहां पढ़ने वाले छात्रों के बीच मृतका के प्रकरण में काफी गम्भीर चर्चा अनावेदक के व्यवहार को लेकर की गई है।इसलिए इन बिंदुओं के लिए जांच कमेटी का गठन किया जाएगा इस बीच आवेदिका आमानाका पुलिस थाना में किये गए कार्यवाही की जानकारी लेकर आयोग को सूचित करने को कहा गया।इसके साथ ही आवश्यकता पड़ने पर आमानाका थाने से सीधे रिपोर्ट मंगायी जा सकेगी।

अनावेदक ने विभागीय कार्य का हवाला रखते हुए वकील रखने हेतु आयोग से निवेदन किया जिस पर आयोग द्वारा बाद में विचार किया जायेगा। इस प्रकरण को आगामी सुनवाई में निराकृत किया जा सकेगा।

इसी तरह एम्स के दूसरे प्रकरण में आवेदिका ने अपनी पूरी जानकारी एम्स के डायरेक्टर डॉ नागरकर को अवगत कराया है।इस प्रकरण के अनावेदक सुनवाई में अनुपस्थित है और अनावेदक अभी कार्यरत नही है और उनके द्वारा आवेदिका के साथ जो भी निर्णय लिए गए हैं उसके लिए उनके खिलाफव्यक्तिगत निर्णय लिया जा सकेगा। वर्तमान में आवेदिका के साथ हुए अन्याय पूर्ण रवैये के लिए उनके सर्विस रिकॉर्ड में जो भी टिप्पणी अनावेदक ने किया है उन सभी दस्तावेजों की जानकारी संक्षिप्त रूप में बनाकर आवेदिका एम्स के डायरेक्टर को 2 दिवस में प्रस्तुत कर देगी।इसके साथ एम्स के डायरेक्टर आयोग को 15 दिवस के भीतर अपना स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत कर देंगे। उसके पश्चात आवेदिका अनावेदक के विरुद्ध जो भी पक्ष रखेगी उसे अलग से सुना जाएगा। आगामी सुनवाई में अनावेदक के उपस्थिति हेतु पुलिस अधीक्षक के माध्यम से उपस्थित कराने के निर्देश दिए गए।

एक अन्य प्रकरण में जल जीवन मिशन के अंतर्गत राज्यस्तरीय प्रबंधन इकाई (ह्यश्चद्वह्व) के प्लेसमेंट एजेंसी कॉल मी सर्विसेस ने आज आवेदिका को 64 हजार रुपये की राशि आयोग के समक्ष दिया है। इस प्रकरण पर आवेदिका और अनावेदक गणो को विस्तार से सुना गया। जिसमें यह स्पष्ट है कि दोनों पक्षों की एक एक गलती हुई है और आवेदिका के पास निर्धारित 5 वर्ष का अनुभव नही था। वहीं अनावेदकगणो ने त्रुटिवश राज्य स्तरीय स्थान पर नियुक्ति का आदेश जारी किया था और विभाग के द्वारा मिले दस्तावेज के आधार पर आवेदिका को कार्यमुक्त किया था। दोनो पक्षों की त्रुटि के आधार पर कोई कड़ा निर्णय लिया जाना सम्भव नही है,परन्तु आवेदिका ने एक माह से अधिक कार्य किया था और कार्यालय में आना जाना कर रही है परंतु कार्यालय में कार्य नही किया इसे देखते हुए आवेदिका को दो माह का वेतन 64 हजार रुपये देने आयोग की ओर से अनावेदक को निर्देशित किया गया।

जल शक्ति संरक्षण कार्यों में जिला राष्ट्रीय स्तर पर हुआ पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत पूर्वी क्षेत्र की श्रेणी में सूरजपुर के छिंदीया को मिला द्वितीय पुरुस्कार

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में तीसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया गया। जिसमे कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ राहुल देव के कुशल मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत छिंदीया विकासखंड रामानुजनगर को वर्ष 2022 का सर्वश्रेष्ठ ग्राम पंचायत पूर्वी क्षेत्र की श्रेणी में द्वितीय राष्ट्रीय जल पुरस्कार प्रदाय किया गया है।

जिसे राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की उपस्थिति में गजेन्द्र सिंह शेखावत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के हांथो मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर राहुल देव ने विज्ञान भवन नई दिल्ली में प्राप्त किया।

गौरतलब हैं कि सरकार के जल समृद्ध भारत दृष्टिकोण को सफल बनाने के लिए पूरे देश से व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों तथा असाधारण कार्यों को सम्मानित करने के लिए ये पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इसका उद्देश्य जल संरक्षण के प्रति देश के लोगों की सोच बदलना और उनके व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह ने बताया कि सेंट्रल ग्राउंडवाटर टीम द्वारा जल संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए जिले का सर्वे किया गया था। इसमें कई मापदंडों पर सूरजपुर खरा उतरा। जल संरक्षण, वॉटर रीसाइक्लिंग, सीवरेज प्रणाली प्रबंधन आदि घटको का टीम द्वारा अवलोकन किया गया। उन्होंने बताया कि टीम द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी खेत, तालाब, चेक डैम निर्माण एवं जल संरक्षण उपायों से आया पानी के स्तर में बदलाव का भी आंकलन किया गया। जिसमे रामानुजनगर के छिंदीया में जल शक्ति संरक्षण के कार्यो से टीम प्रभावित हुई थी।

पक्षकारों के लिए मेहनत करते हैं अधिवक्ता : भूपेश बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि अधिवक्ता अपने पक्षकारों के हित में मेहनत करते हैं। उनके परिश्रम का लाभ समाज को मिलता है। शासकीय अभिभाषक न्यायालयों में शासन का पक्ष रखकर न्याय दिलाने में सहयोग करते हैं। उनके मानदेय में वृद्धि करना एक जायज मांग थी।

लंबे समय से उनके मानदेय में वृद्धि नहीं हुई थी, इसलिए बजट वर्ष 2022-23 में अभिभाषकों के मानदेय में 80 प्रतिशत की वृद्धि करने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाऊस में राज्य के अभिभाषकों के द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में यह बाते कही। मुख्यमंत्री के समक्ष अभिभाषकों द्वारा प्रस्तुत अन्य मांगों पर विधिवत परीक्षण कर नीतिगत निर्णय लेने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जिलों के शासकीय अभिभाषक समारोह में उपस्थित थे। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के एडवोकेट जनरल श्री सतीष चंद्र वर्मा, शासकीय अभिभाषक श्री के.के. शुक्ला ने भी कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए शासकीय अभिभाषकों के मानदेय बढ़ाने पर आभार व्यक्त किया और अधिवक्ताओं की विभिन्न मांगों पर चर्चा की। इस अवसर मुख्यमंत्री के कृषि सलाहकार श्री प्रदीप शर्मा तथा विभिन्न जिलों के शासकीय अभिभाषक भी उपस्थित हैं ।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से कानूनी सेवा क्लिनिक शुरू की

श्रीकंचनपथ न्यूज

नई दिल्ली (पीआईबी)। महिलाओं के लिए कानूनी सहायता को अधिक सुलभ बनाने के अभियान में, राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्यूकाय) ने दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएसएलएसए) के सहयोग से एक कानूनी सहायता क्लिनिक की शुरुआत की है। यह क्लिनिक निशुल्कड कानूनी सहायता देकर महिलाओं की शिकायतों का समाधान करने के लिए एकल-खिड़की सुविधा के रूप में कार्य करेगी।

राष्ट्रीय महिला आयोग अन्य राज्य महिला आयोगों में भी इसी प्रकार की कानूनी सेवाएं क्लीनिक स्थापित करने की योजना बना रहा है। कानूनी सहायता क्लिनिक नई दिल्ली में आयोग के कार्यालय में संचालित होगी। कोई भी महिला निशुल्क कानूनी सलाह और परामर्श की सुविधा प्राप्त करने के लिए इस क्लिनिक में आने में सक्षम होगी जहां डीएसएलएसए के पैनल के एडवोकेट ऐसी महिलाओं की मदद करेंगे।

कानूनी सहायता क्लिनिक का शुभारंभ समारोह आज नई दिल्ली में आयोग के कार्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर आयोग की अध्यक्ष सुश्री रेखा शर्मा, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री सुशांत चंगोत्रा, डीएसएलएसए की अपर सचिव, सुश्री नमिता अग्रवाल, डीएसएलएसए के विशेष सचिव, श्री कंवल जीत अरोड़ा और डीएसएलएसए के सदस्य सचिव की इस अवसर पर गरिमामयी उपस्थिति रही।

उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए आयोग की अध्य क्ष सुश्री रेखा शर्मा ने कहा कि इस कानून सहायता केन्द्र का उद्देश्यल महिलाओं को मुफ्त सलाह और कानूनी सेवाएं उपलब्ध कराना है। आज का दिन महिलाओं की सहायता करने के लिए राष्ट्री य महिला आयोग के सतत प्रयासों में नया अध्याहय शुरू करता है। कानूनी सहायता क्लिनिक महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उन्हेंक कानूनी परामर्श और सहायता प्रास्तप करने के लिए वन-स्टॉ प केन्द्र उपलब्धै कराने पर ध्या्न केन्द्रित करेगी। महिलाएं अब बिना किसी परेकशानी के कानूनी सहायता प्रास्र करने में समर्थ होंगी।

नए कानूनी सहायता क्लिनिक के तहत वॉक-इन शिकायतकर्ताओं को परामर्श उपलब्धए कराया जाएगा और संकटग्रस्तर महिलाओं को राष्ट्रीय विधिक सेवाएं प्राधिकरण / दिल्ली राज्यइ विधिक सेवाएं प्राधिकरण की विभिन्न योजनाओं के बारे में परामर्श और जानकारी दी जाएगी। अन्यय सेवाओं में महिला जनसुनवाई में सहायता, मुफ्त कानूनी सहायता, वैवाहिक मामलों में सुनवाई और आयोग में पंजीकृत अन्य शिकायतों के बारे में सहायता प्रदान करना शामिल है।

कार की सीट के नीचे छिपाकर रखा था 119 किलो गांजा, जीजा-साला गिरफ्तार

एक्टिवा सवार पिता-पुत्र भी गांजे के साथ पकड़े गए

बिलासपुर (ए)। बिलासपुर में पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने कार में गांजा तस्करी करते जीजा-साला को गिरफ्तार किया है। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए कार की सीट के नीचे गांजा छिपाकर रखा था। उनके पास से 119 किलो गांजा जब्त किया गया है। इसके साथ ही टीम ने दूसरे कार्रवाई में एक्टिवा सवार पिता-पुत्र को पकड़कर 19 किलो गांजा बरामद किया है। घटना सिरगिट्टी और तखतपुर थाना क्षेत्र की है। इससे पहले 26 मार्च को मिनीट्रक में 410 किलो गांजा जब्त किया गया था।

पुलिस की एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट प्रभारी हरविंदर सिंह को सूचना मिली कि कार में गांजे की तस्करी हो रही है। खबर मिलते ही सिरगिट्टी क्षेत्र में सोमवार की देर रात नाकेबंदी की गई। टीम ने फदहाखार के पास भी नाकाबंदी पाइंट लगाया था। मुखबिर के बताए अनुसार जंगल के पास

पुलिस ने ब्रीजा कार को रोक लिया। कार की तलाशी लेने पर कुछ नहीं मिला। तब उसके सीट को खोलकर देखा गया। तस्करों ने पुलिस को चकमा देने के लिए अलग-अलग पैकेट्स को सीट के नीचे छिपा दिया था। जिसे जब्त कर पुलिस थाने लेकर आ गई।

पुलिस की पूछताछ में पता चला कि खिलेश्वर कौशिक (38) तखतपुर क्षेत्र के जरौंधा थाना के कुंआ का रहने वाला है। वह अपने सकरी थाना क्षेत्र के बहतराई निवासी अपने साले चंद्रप्रकाश कौशिक (35) के साथ मिलकर जगदलपुर से गांजा लेकर आ रहा था, जिसे शहर के आसपास के गांवों में खपाने की फिराक में था। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पिता-पुत्र एक्टिवा में लेकर आ रहे थे गांजा

तोरवा के शंकर नगर में रहने वाला संतोष साहू (54 साल) अपने बेटे दुर्गा साहू (22 साल) के साथ तखतपुर क्षेत्र के अमोलीकापा से गांजा लेकर आ रहा था। सूचना पर पुलिस ने तखतपुर के मुख्य मार्ग में घेराबंदी कर पिता-पुत्र को पकड़ लिया। उनकी एक्टिवा की डिक्की से पुलिस ने 19 किलो गांजा जब्त किया है। दोनों को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

23 लाख रुपए का माल बरामद

पुलिस अफसरों ने बताया कि इस कार्रवाई में दो तस्करों से 119 किलोग्राम गांजा जिसकी कीमत करीब 12 लाख रुपए है। इसके साथ ही जब्त ब्रीजा कार की कीमत 10 लाख रुपए है। इसके साथ ही एक्टिवा और 19 किलो गांजा समेत कुल 23 लाख से अधिक का माल बरामद किया गया है।

खास-खबर

ड्राइविंग सीख रही युवती की कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई, दो महिला सहित तीन घायल

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर के पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में मंगलवार सुबह बंजारी मैदान में कार हादसा हो गया। इसमें बैठे तीनों लोगों को चोट आई है। नीरज सिंह को गंभीर चोट आई है। उनका एक पैर फैक्चर हो गया है। वहीं चेहरे में चोट आई है। सूचना मिलने पर सरस्वती नगर थाना पुलिस ने सभी को एम्स अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया है।

मिली जानकारी के अनुसार सुबह तकरीबन 10 बजे युवती ज्योती सिंह कार ड्राइविंग की ट्रेनिंग ले रही थी। कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इससे कार सवार कार में युवती के मामा नीरज सिंह को गंभीर चोट आई। वहीं कार का सामने का हिस्सा छति ग्रस्त हो गया। वहीं एक और महिला धनलक्ष्मी सिंह सवार थी। जिनको चोट आई है। घायलों को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि मैदानी इलाका होने के कारण बड़ा हादसा हो सकता था। वजह वहां रोजाना स्टूडेंट फुटबाल, क्रिकेट सहित अन्य खेल होते हैं। गनीमत रही की कोई भी वहां नहीं था।

डी-मार्ट में चोरी करते पकड़ा गया चोर

रायपुर (ए)। रायपुर के डी-मार्ट में चोरी करने का वीडियो सामने आया है। चोरी की ये पूरी घटना कैमरे में कैद हो गई है। स्टोर मैनेजमेंट ने इन्हें पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। डीडी नगर थाने में चोरी का केस दर्ज किया गया है। डी-मार्ट के मैनेजर राम ने पुलिस से बताया कि रिंग रोड में बने डी-मार्ट स्टोर में अजमत अशरफी स्टोर में जाकर सामान चुरा रहा था। सीसीटीवी फुटेज में सब कुछ कैद हो गया। तलाशी लेने पर बैग से दो पैकेट घी, बादाम, अंजीर, लेडिस कुर्ती निकली। अजमत संजय नगर इलाके का रहने वाला है।

गांजा के साथ युवक को घेराबंदी कर पकड़ा

रायपुर (ए)। राजधानी के गुढ़ियारी थाने की पुलिस ने गांजा के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि गोगांव स्थित झाबक पेट्रोल पंप के पास गांजा के साथ एक युवक मौजूद है। सूचनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी कर युवक संदीप पाटले को पकड़ा। युवक की तलाशी पर करीब डेढ़ किलो गांजा बरामद हुआ।

चार महीने का मांग रहे थे राशन, मना करने पर दुकान संचालक की कर दी पिटाई

बिलासपुर (ए)। तोरवा क्षेत्र के हेमूनगर में रहने वाले विकास जीतवानी राशन दुकान चलाते हैं। मंगलवार की दोपहर 12:30 वे मंगला स्थित शासकीय उचित मुल्य की दुकान में हितग्राहियों को राशन वितरण कर रहे थे। उनके साथ उनका बेटा रौनक जीतवानी था। इसी बीच मोहल्ले में रहने वाले सदानंद पटेल अपने साथी के साथ वहां आया। उन्होंने जनवरी से अप्रैल तक चार महीने का राशन मांगा।

पुराने विवाद में जानलेवा हमला करने वाला जहरीला गिरफ्तार

रायपुर (ए)। राजधानी रायपुर में एक पुरानी विवाद को लेकर जानलेवा हमला करने वाले आरोपित पवन साहू उर्फ जहरीला को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस से आरोपित पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की।

पीड़ित नरेश कुमार कौशिक ने गंज थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई। नरेश त्रिमूर्ति नगर देवेंद्र नगर टिंबर मार्केट में काम करता है। प्रार्थी का साला पुनित राम वस्त्रकार साहू पारा फाफाडीह शिवमंदिर के पीछे गंज रायपुर में अकेले रहकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन करता है। प्रार्थी को पता चला कि उसका साला पुनित राम वस्त्रकार जो 26-27 मार्च की दरम्यानी रात पीली बिल्डिंग के सामने शनि मंदिर के पास हैप्पी टेंट हाउस के शटर किनारे सोया था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने पुनित राम वस्त्रकार की हत्या करने की नियत से उसके सिर में सीमेंट का बड़ा सा टुकड़ा पटक दिया। जिससे वह लहूलुहान हो गया। घटना की सूचना मिलने पर घायज को डीकेएस अस्पताल में भर्ती किया गया है। जहां उसका उपचार जारी है।

वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा घटना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी गंज दुर्गेश रावटे को अज्ञात आरोपित की पतासाजी कर जल्द से जल्द गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। जिस पर थाना प्रभारी गंज के नेतृत्व में थाना गंज पुलिस की टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटना के संबंध में प्रार्थी से विस्तृत पूछताछ कर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। घटना के संबंध में आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए।

इसमें पाया गया कि एक लड़का विजय प्रोविजन स्टोर्स के पास स्थित चबुतरानुमा दीवाल का हिस्सा जो सीमेंट का है को तोडकर बड़ा टुकडा को उठाकर पुनित के सिर पर पटक दिया। आरोपित की पहचान फाफाडीह गंज निवासी पवन साहू उर्फ जहरीला के रूप में हुई। टीम के सदस्यों ने जहरीला को पकड़कर घटना के संबंध में पूछताछ की। आरोपी द्वारा पूर्व में हुए विवाद की बात को लेकर पुनित राम वस्त्रकार की हत्या करने की नियत से सोते हालत में उसके सिर में सीमेंट के टुकड़ा को पटकना स्वीकार किया।

अविवाहित पुत्री कर सकती है पैरेंट्स की संपत्ति पर दावा

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को किया खारिज, शादी के लिए मांगे थे 25 लाख रुपए

बिलासपुर (ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि हिंदू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम के अनुसार अविवाहित बेटी अपनी शादी में होने वाले खर्चों के लिए अभिभावकों पर दावा कर सकती है। कोर्ट के इस आदेश के बाद अविवाहित पुत्री को छह साल बाद राहत मिली है। जस्टिस गौतम भादुड़ी और जस्टिस संजय एस अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने इस टिप्पणी के साथ ही दुर्ग फैमिली कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है। साथ ही मामले में पुनर्विचार कर निर्णय लेने का आदेश दिया है। भानूराम भिलाई स्टील प्लांट में कार्यरत थे और अब वे रिटायर्ड हो गए हैं। उनकी बेटी राजेश्वरी ने साल 2016 में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें कहा गया कि उनके पिता अब जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। रिटायरमेंट के दौरान उन्हें करीब 55 लाख रुपए मिलेंगे। उसने कोर्ट से पिता को उसे 20 लाख रुपए देने के आदेशित करने की मांग की। तब हाईकोर्ट ने याचिका को चलने योग्य नहीं पाते हुए जनवरी 2016 को खारिज कर दिया था। साथ ही उसे हिंदू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 20(3) के प्रावधानों के तहत संबंधित फैमिली कोर्ट में आवेदन प्रस्तुत करने की छूट दी थी।

फैमिली कोर्ट के आदेश को दी थी चुनौती

हाईकोर्ट के आदेश पर उसने दुर्ग के फैमिली कोर्ट में आवेदन प्रस्तुत किया,

इसमें उसने खुद की शादी के लिए 25 लाख रुपए पिता को देने के निर्देश देने की मांग की। फैमिली कोर्ट ने 20 फरवरी 2016 को उसका आवेदन खारिज कर दिया था। इसके बाद उसने फैमिली कोर्ट के आदेश को साल 2016 में चुनौती देते हुए याचिका दायर की थी।

छह साल बाद युवती के पक्ष में आया फैसला

युवती ने फैमिली कोर्ट में प्रस्तुत किए गए आवेदन में खुद की शादी पर होने वाले खर्च के लिए पिता से 25 लाख रुपए का दावा किया था। युवती ने कोर्ट को बताया था कि उसके पिता को रिटायर होने पर करीब 75 लाख रुपए मिले हैं। लिहाजा, उसे 25 लाख रुपए दिलाए जाए। छह साल बाद अब युवती के पक्ष में हाईकोर्ट ने फैसला दिया है और फैमिली कोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि हिंदू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम 1956 की धारा 20 के तहत बच्चों व बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी तय की गई है। ऐसे में अविवाहित पुत्री अपनी शादी की खर्च के लिए अभिभावक की संपत्ति पर दावा कर सकती है।

भारतीय समाज में शादी के दौरान खर्च की जरूरत

हाईकोर्ट ने आदेश में कहा है कि भारतीय समाज में शादी से पहले और शादी के दौरान खर्च की जरूरत पड़ती है। युवती अविवाहित है और अपने अभिभावकों पर आश्रित है। हिंदू दत्तक एवं भरण पोषण अधिनियम के प्रावधान अविवाहित बेटी के अधिकार का संरक्षित करता है। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा है कि अधिनियम के तहत अविवाहित बेटी खुद की शादी के लिए अभिभावकों से खर्च का दावा करने का अधिकार है।

थाली में खाना छोड़ने पर दोस्त ने आरक्षक के सिर पर फोड़ दी बोतल

बिलासपुर (ए)। मंगलवार की शाम आरक्षक अपने दोस्तों के साथ होटल में खाना खाने गया। वहां थाली में खाना छोड़ने पर एक दोस्त ने आरक्षक की पिटाई कर दी। उसने आरक्षक के सिर में कोल्ड ड्रिंक की बोतल भी फोड़ दी। इससे उनके सिर से खून निकलने लगा। आहत आरक्षक ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। इस पर पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस लाइन में रहने वाले विष्णु कुमार चंद्रा आरक्षक हैं। उनकी ड्यूटी सकरी थाने में है। मंगलवार को उनका साप्ताहिक अवकाश था। इसके कारण वे घर पर ही थे। शाम 4:50 बजे वे अपने दोस्त पंकज मिश्रा, बंटी बंजारे, बद्री बंजारे, कुंदन सिंह व हेमंत गट्टो के साथ खाना खाने के लिए सत्यम चौक स्थित होटल 786 गए। पेट भर जाने पर उन्होंने थाली में खाना छोड़ दिया। थाली में खाना छोड़ने पर हेमंत नाराज होकर गाली-गलौज करने लगा। इसका विरोध करने पर उसने जान से मारने की धमकी देते हुए कोल्ड ड्रिंक की बोतल उठाकर आरक्षक के सिर में मार दी। इससे उनके सिर से खून निकलने लगा। दोस्तों ने किसी तरह बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। इसके बाद घायल आरक्षक ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। मामले में पुलिस जुर्म दर्ज कर जांच कर रही है।

युवती ने जहर खाकर आत्महत्या का किया प्रयास

बिलासपुर (ए)। पारिवारिक विवाद के कारण परेशान होकर युवती ने जहर खाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। जिससे उसकी हालत बिगड़ने लगी। स्वजन ने उसे अस्पताल पहुंचाने के लिए डायल 112 को फोन कर घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस की टीम ने युवती को सिम्स में भर्ती कराया है। सिम्स के मेडिकल वार्ड में डाक्टरों की टीम उसका इलाज कर रही है। सरकंडा थाना क्षेत्र के लिंगियाडीह आनंद चौक के पास रहने वाली राधा नवरंग (21) ने सोमवार को अपने पर काम कर रही थी। स्वजन भी घर पर मौजूद थे। इसी दौरान परिवारिक बातों को लेकर राधा नवरंग और स्वजनों के बीच झगड़ा शुरू हो गया।

धीरे-धीरे विवाद बढ़ने लगा। जिससे गुस्से में आकर राधा ने जहर खा लिया। जिससे उसकी तबियत बिगड़ने लगी। शरीर में जहर फैलने के कारण वह उल्टी करने लगी। इसके बाद स्वजन ने डायल 112 को फोन कर सूचना दी। आरक्षक सूर्यकांत राठौर और चालक सरजू धनवार तुरंत मौके पर पहुंचे। फिर युवती को पुलिस वाहन में बैठाकर सिम्स में भर्ती कराया है। केजुअल्टी वार्ड के डाक्टर ने तुरंत प्राथमिक इलाज शुरू किया। फिर उसकी हालत को देखते हुए मेडिकल वार्ड में भेज दिया है। वार्ड में डाक्टरों की टीम इलाज कर रही है। युवती और उसके स्वजन किस बात को लेकर विवाद हो रहे थे, इसके बारे में अभी पता नहीं चला है। अभी पुलिस ने स्वजन से भी पूछताछ नहीं की है। हालांकि अभी उसकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है।

कार ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मारी, तीन घायल

बिलासपुर (ए)। तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दंपती को जोरदार टक्कर मार दी। इससे तीन लोग घायल हो गए। डायल 112 की टीम ने घायलों को इलाज के लिए बिल्हा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। घटना रहंगी मोड़ के पास की है। सोमवार की सुबह 11 बजे रायपुर-बिलासपुर नेशनल हाईवे मार्ग कार क्रमांक सीजी 22 यू 9113 बलौदा बाजार से बिलासुपर की ओर जा रही थी। चालक भावतोष तेज रफ्तार से कार को चला रहा था। कार रहंगी मोड़ के पास पहुंची थी। इसी दौरान सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों को टक्कर मार दी। इससे तीनों गिर गए।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मोटरसाइकिल के दो टुकड़े हो गए। घटना के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। मोटरसाइकिल सवार हिर्री माइंस रामनगर के रहने वाले भुवनेश्वर ध्रुव और मुढ़िपार के रहने वाले गीता गेंदले, दरस गेंदले घायल हो गए हैं। उनके सिर, हाथ व शरीर में चोटें आई हैं। आसपास के लोगों ने पुलिस की डायल 112 को फोन कर सूचना दी। 112 के स्टाफ आरक्षक राजेश श्रीवास और शशांक दास तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को बिल्हा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। डाक्टरों ने तत्काल घायलों का इलाज शुरू किया।

घटना के बाद आसपास के आक्रोशित लोगों ने आरोपित कार चालक की जमकर पिटाई की। टक्कर से कार भी क्षतिग्रस्त हो गई है। चकरभाठा पुलिस ने कार को जब्त कर ली है।

आदित्य ड्राई क्लीनर्स
Pick & Drop Service Available (Terms & Condition Applied)
98271-90875
99938-08453
75877-57239
सोफा पर्दा कारपेट सीटकवर लेदर जैकेट टेड्डी बियर शू
सभी प्रकार के कपड़ों का आधुनिक तकनीकी से ड्राईक्लीन किया जाता है।
Shop NO.-105, "A" Market, Sector-6, Bhilai (C.G.)

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

मिस एंड मिसेस
लेडिस वेयर
• गाऊन
• ब्रा. पेन्टी
• नाईटी
• ब्लाउज
सभी प्रकार के अंडरगारमेंट्स की विशाल रेंज
शॉप नं-113, सेक्टर-6, ए मार्केट भिलाई

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RUPESH KUMAR
Mob.-9840760388
7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
कृष्णा टाकिज रोड, विजय भवन के पास, रिसाली, भिलाई
जलाराम मिष्ठान के सामने, इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

माँ दुर्गा ज्वेलर्स
सोने एवं चांदी के आभूषणों विक्रेता
उचित ब्याज में गिरवी रखी जाती है
शॉप नं. 69, सी-मार्केट
सेक्टर-6, भिलाई
मो. 9424124911

भारतीय बैग हाउस
VIP
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

भगवान की कृपा प्राप्त करने उनकी शरण में जाना होगा - गोपिकेश्वरी देवी

भिलाई। चतुर्थ दिन प्रवचन श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए देवी ने बताया कि भगवान को जानना केवल उनकी कृपा से ही संभव है । अर्थात् वो भगवान जिस जीव पर अपनी कृपा कर दे वही उनको जान सकता है । फिर एक प्रश्न आया कि यदि भगवान की कृपा से ही हम भगवान को जानेंगे तो हम जीवों पर अब तक भगवान की कृपा क्यों नही हुई ? अनन्त संतों पर भगवान की कृपा हो गई , उन्होंने भगवान को जान लिया और हम जीव अभी तक उनकी कृपा से वंचित है ,क्यों ? तो इसका उत्तर देते हुए देवी जी ने बताया कि भगवान की कृपा को पाने की एक शर्त है, और वो है शरणागति अर्थात् हमें भगवान की शरण में जाना होगा उनकी कृपा को पाने के लिए । और ये शरणागति का अर्थ है की जीव को कुछ नहीं करना बस भोले बालक की तरह भगवान की शरण में जाना है, तभी भगवान जीव का योगक्षेम वहन करेंगे यानी जीव के समस्त कर्मों के कर्ता, संचालक भगवान बन जायेंगे ।

आदिशक्ति माँ जगदम्बा मंदिर महाराणा प्रताप भवन में चैत्र नवरात्रि की तैयारी अंतिम चरण में

भिलाई। चैत्र नवरात्र की शुरूआत 2 अप्रैल से होगी। नवरात्रि को लेकर आदिशक्ति माँ जगदम्बा मंदिर महाराणा प्रताप भवन परिसर सेक्टर 7 में तैयारी युद्धस्तर पर जारी है। मंदिर को संवारने और सजाने का काम अंतिम दौर में है। चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मनोकामना ज्योति कलश की रसीद विधिवत कट रही है। 31 मार्च की रात्रि 8 बजे तक मनोकामना ज्योतिकलश की रसीद कटेगी। मंदिर समिति के अनुसार इस वर्ष भी श्रद्धालुगण 751 रू. देकर मनोकामना तेल ज्योतिकलश की रसीद कटवा सकते हैं। इच्छुक श्रद्धालुगण 31 मार्च की रात्रि 8 बजे तक मंदिर परिसर में जाकर मनोकामना ज्योतिकलश की रसीद कटवा सकते हैं। मंदिर समिति के अरविंद सिंह, संजय सिंह, गजेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील कुमार सिंह ने बताया कि, दो अप्रैल नवरात्रि के प्रथम दिवस सुबह 11 बजकर 36 मिनट पर ज्योति कलश की स्थापना की जायेगी। वहीं मंदिर के गर्भ गृह में हमेशा की तरह इस वर्ष भी मनोकामना ज्योति कलश पूजन का सम्पूर्ण कार्य पं. शिवम पाण्डेय व पं. अखिलेशधर द्विवेदी द्वारा सम्पन्न कराया जायेगा।

दुर्ग नगर निगम में लाभ का बजट पेश

महापौर धीरज ने बजट को बताया शहर के समग्र विकास का आईना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिका निगम की बजट बैठक में मंगलवार को विपक्षी भाजपा पार्षदों ने शहर विकास के मुद्दों पर सत्तापक्ष कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया। जिससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोपों से सदन में शोर शराबा का माहौल पैदा होता रहा। सभापति राजेश यादव की अनुमति से निर्धारित समय प्रात:11 बजे बीआईटी कॉलेज के मेकेनिकल हॉल में बजट बैठक की कार्रवाही शुरु हुई।

प्रश्नकाल में पार्षदों के 4 प्रश्न आए थे। ये प्रश्न मुख्यत: गंदा पेयजल आपूर्ति ,अमृत मिशन के कार्य में विलंब ,जर्जर सड़कों पर आधारित थे। प्रश्नकाल के बीच भाजपा पार्षदों ने सरस्वती नगर के पीएम आवास में अवैध कब्जा के मुद्दे पर सदन में हंगामा मचाया। भाजपा पार्षद दोषियों के खिलाफकार्रवाही की मांग को लेकर अड़े रहे। जिससे सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच नोकझोंक हुई। प्रश्नकाल समाप्ति के उपरांत हंगामें के बीच महापौर धीरज बाकलीवाल ने सदन में सत्र 2022-23 के लिए 7 लाख 15 हजार रुपए का लाभ का बजट पेश किया। महापौर यह बजट गोबर से बने सूटकेस में लेकर सदन पहुंचे थे। पिछले दिनों राज्य का बजट पेश करने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी गोबर से बने सूटकेस का उपयोग किया था। महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा सदन में शायराना अंदाज में बजट भाषण पढ़ा गया। जिसके माध्यम से उन्होने विपक्ष भाजपा पर कड़े प्रहार किए। सदन में महापौर धीरज बाकलीवाल के बजट भाषण ने जमकर वाहवाही बटोरी। जो विपक्ष को रास नहीं आया और वे बीच-बीच में सदन की कार्रवाही में व्यवधान डालते नजर आए। महापौर धीरज बाकलीवाल ने बजट को शहर के विकास का दर्पण बताया है। उन्होनें कहा कि दुर्ग नगर निगम ने दो वर्ष की कोरोना महामारी की त्रासदी झेलते हुए भी विगत 27 महिने के कार्यकाल में विकास की नई गाथा गढ़ी है। बजट में शहर विकास की चिंता है,जो स्पष्ट परिलक्षित हो रहा है। बजट भाषण में महापौर धीरज बाकलीवाल ने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं की जमकर तारीफ की और पूर्ववर्ती भाजपा की शहरी सरकार के कार्यों पर सवाल उठाए।

महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा पेश किए गए बजट में हर घर ग्रीन(वृक्षारोपण), राशन दुकान में जन सुविधा , जीपीएस आधारित कचरा कलेक्शन एवं वाहन प्रबंधन,प्रमुख चौराहों एवं रेल्वे क्रासिंग में शेड निर्माण,सी मार्केट व मदर्स मार्केट निर्माण ,खेल स्टेडियम निर्माण, कुम्हार मार्केट के लिए लाखों रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है।

स्थापना दिवस के साथ, प्लेट मिल में हुई कीर्तिमानों की बरसात

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विविध कीर्तिमानों के साथ आज दिनांक 29 मार्च को प्लेट मिल में समारोहपूर्वक स्थापना दिवस मनाया गया। इस हेतु प्लेट मिल के प्रथम प्लेट के सामने समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने कार्यकारी कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) एस एन आबिदी तथा सीजीएम इंचार्ज एम एम गद्रे एवं सीजीएम प्लेट मिल आर के बिसारे तथा प्लेट मिल बिरादरी के संग मिलकर केक काटकर स्थापना दिवस तथा कीर्तिमानों के विभिन्न उपलब्धियों हेतु बधाई दी।

इस अवसर पर संयंत्र के निदेषक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता ने प्लेट मिल का दौरा कर प्लेट मिल बिरादरी के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका मनोबल बढ़ाया और बेहतर प्रदर्षन करने हेतु प्रेरित किया। इसके साथ ही निदेषक प्रभारी ने उनके सहयोगी विभाग एसएमएस-2, एसबीएस, पीपीसी, आरसीएल तथा अन्य सहयोगी विभागों को भी बधाई दी। इसके अतिरिक्त उत्कृष्ट उत्पादन हेतु सीजीएम प्लेट मिल आर के बिसारे व उनके सम्पूर्ण प्लेट मिल टीम को कार्यकारी कार्यपालक निदेषक (वर्क्स) एस एन आबिदी तथा सीजीएम इंचार्ज (मिल्स) एम एम गद्रे ने भी बधाई देते हुए अपने अनुभव साझा किये। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की महत्वपूर्ण तथा एकमात्र फ्लैट प्रोडक्ट इकाई प्लेट मिल ने वित्त वर्ष के अंत के 4 दिन पहले ही कई कीर्तिमान स्थापित किये है।

विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिलेगा पूर्ण बहुमत-अभिजीत शर्मा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। भारतीय जनता युवा मोर्चा (सोशल मीडिया) दुर्ग शहर विधानसभा प्रभारी अभिजीत शर्मा ने बताया ,भाजपा प्रदेश, संभाग व जिला संगठन इस समय पूरे जोर शोर के साथ संगठन को सक्रिय करने में लगी है। पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में भाजपा अगले विधानसभा चुनाव के लिये पूरी तरह से तैयार है।

भाजपा की सोशल मीडिया टीम भी सोशल नेटवर्किंग प्लेटफार्म में कांग्रेस नेताओं को घेरे हुए है, मुख्यमंत्री को सलाह लेने के लिये दिल्ली जाना पड़ता है कांग्रेस प्रदेश में पूरी तरह शून्य में पहुँच गयी है।

कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी

कांग्रेस सरकार द्वारा न तो प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी की गई , ना ही युवाओं को बेरोजगारी भत्ता दिया गया और ना ही किसानों की फसल नुकसान की राशी। साफ शब्दों में कांग्रेस जनता का केवल शोषण कर रही है। जनता कांग्रेस सरकार से त्रस्त हो गयी है ओर अगले विधानसभा चुनाव में मतदान भाजपा के पक्ष में होगा।

बैंकों के बंद होने से व्यापार जगत को हो रही भारी परेशानी, भिलाई चेम्बर ने केंद्रीय वित्तमंत्री को लिखा पत्र

वित्तीय वर्ष के अंतिम सप्ताह में हड़ताल और अन्य कारणों से बंद चल रहे बैंक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, भिलाई इकाई द्वारा केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर व्यापारियों को हो रही परेशानी से अवगत कराया गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंतिम सप्ताह में हड़ताल और अन्य कारणों से बैंकों में कामकाज बंद से व्यापार जगत को बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चेम्बर ने मांग की है कि बैंकिंग सेवा को आवश्यक सेवा के अंतर्गत रखते हुए बैंकों में कामकाज सुचारू रूप से बनाये रखने के लिए 31 मार्च तक प्रतिदिन दो से तीन घंटे अतिरिक्त कार्यअवधि बढ़ाया जाए। चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने बताया कि अगले तीन दिनों में वित्तीय वर्ष 2021-22 की समाप्ति हो रही है, लेकिन इसी बीच बैंकों में हड़ताल और अन्य कारणों से कामकाज बंद है। इसके चलते व्यापार जगत को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कैश जमा, चेक क्लियरिंग जैसे कई बैंकिंग कार्य रूके हुए हैं एवं टैक्स भुगतान में भी दिक्कत आ रही है। श्री भसीन ने बताया कि व्यापारियों का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो दैनिक कारोबार में मिलने वाले कैश जमा करवाने के लिए बैंक पर निर्भर है। ऐसे में बैंकों के बंद होने से लगभग 2 हजार से ढाई हजार करोड़ का लेनदेन प्रभावित हो गया है। चेम्बर के भिलाई इकाई अध्यक्ष गारगी शंकर मिश्र ने बताया कि चालू वित्त वर्ष कोविड महामारी के कारण वैसे ही उतार चढ़ाव भरा रहा है। व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और इससे सालभर की आर्थिक गतिविधियों भी प्रभावित हुई है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर व्यापार और लेनदेन सामान्य दिनों की तुलना में वैसे भी 25 फीसदी तक बढ़ जाते हैं।

ऐसे में वित्त वर्ष की समाप्ति पर कामकाज के सुचारू संचालन के लिए बैंकिंग कार्यअवधि बढ़ाये जाने की आवश्यकता थी बावजूद इसके बैंक बंद पड़े हुए हैं, जिससे व्यापार बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भिलाई चेम्बर ने केंद्रीय वित्तमंत्री से मांग की है कि बैंकिंग सेवा को आवश्यक सेवा के अंतर्गत रखते हुए वित्तीय वर्ष के शेष दो दिनों के लिए कार्यअवधि को 2-3 घंटे अतिरिक्त बढ़ाया जाए ताकि व्यापारी और आम नागरिकों को परेशानी न हो।

इस बजट में मिशन क्लीन सिटी प्राथमिकता, कोई नया कर नहीं

रिसाली को आदर्श निगम बनाने महापौर शशि ने 110 करोड़ 51 लाख का बजट प्रस्तुत किया

पार्षदों ने ध्वनिमत से किया पारित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। वर्ष 2022-23 के लिए रिसाली नगर पालिक निगम की महापौर शशि सिन्हा ने पहला आम बजट प्रस्तुत किया। वे ठीक 11 बजकर 40 मिनट में गोबर से बने ब्रीफकेस में बजट दस्तावेज को लेकर मैत्रीकुंज स्थित सदन पहुंची। ठीक 12 बजे महापौर ने 110.51 करोड़ का बजट सदन में प्रस्तुत की। आदर्श निगम बनाने के लिए प्रस्तुत बजट को कांग्रेस पार्षदो ने ध्वनिमत से पारित किया। इसके बाद सभापति केशव बंछोर ने अपने आंसदी से बजट संकल्प पारित किए जाने की घोषणा करते चर्चा के लिए पार्षदों को आमंत्रित किया।

रिसाली नगर पालिक निगम के पहला बजट शांति पूर्ण महौल में पारित किया। महापौर शशि सिन्हा ने सबसे पहले सदन पहुंची और सभापति केशव बंछोर का अभिवादन करते अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस दौरान दुर्ग ग्रामीण विधायक व प्रदेश के गृहमंत्री व लोक निर्माण विभाग मंत्री ताम्रध्वज साहू के प्रतिनिधि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री जितेन्द्र साहू व दुर्ग सांसद विजय बघेल के प्रतिनिधि के रूप में दीपक चंद्राकर सदन में उपस्थित थे। सभापति श्री बंछोर ने सदन की कार्यवाही सुबह 11:45 बजे शुरू करते राज गीत का वाचन कराया।

इसके बाद महापौर के दिवंगत ससुर मनबोधी राम सिन्हा को श्रद्धांजली दिलाते 2 मिनट कार्यवाही स्थगित रखते हुए पुन: शुरू कराया। सदन में एमआईसी सद्स्य चंद्रभान सिंह ठाकुर, गोविन्द चतुर्वेदी, विलास राव बोरकर, अनूप डे, सनीर साहू, परमेश्वर कुमार, सोनिया देवांगन, ईश्वरी साहू, आयुक्त आशीष देवांगन, निगम सचिव रमाकांत साहू एवं समस्त पार्षदगण व रिसाली नगर पालिक निगम के विभाग प्रमुख उपस्थित थे।

गृहमंत्री के प्रति किया आभार

महापौर ने अपने प्रतिवेदन की शुरूआत रिसाली गठन के लिए सबसे पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के लिए आभार व्यक्त कर की। जिसे पूरे सदन ने टेबल थपथपाते हुए समर्थन किया। महापौर शशि सिन्हा ने कहा रिसाली निगम के प्रथम कार्यकाल और प्रथम बजट प्रस्तुत करने का सौभाग्य मिला है। इस बजट में नगर विकास की अनेक संभावनाओं को देखा जा सकता है। जिस तरह से इस प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री गढ़बों नवा छत्तीसगढ़ का सूत्र वाक्य दिया है, उसी को आदर्श मानकर हमारी परिषद ने गढ़बों नवा रिसाली का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि दलीय मतभेदों से परे और इस क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में वहां की मूलभूत आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए सर्वांगीण विकास करना हमारी प्रतिबद्धता है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो। जनप्रिय सरकार की महात्वाकांक्षी याजनाओं को धरातल पर लाकर आम नागरिकों को लाभान्वित करना हम अपना महत्वपूर्ण दायित्व मानते है। उन्होंने आश्वासन दिया कि नगर सरकार में सभी को सरल एवं सुलभ प्रशासन मिलेगा। मूलभूत सुविधाओं के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

वार्डवार कार्ययोजना तैयार कर मूर्तरूप प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शहर की सुंदर बनाने के लिए नागरिक सहायसोग करे। न अतिक्रमण करे न करने दे। इस वित्तीय बजट में नया कर अधोरोपित नहीं किया गया है। महापौर ने कहा कि रिसाली निगम को 3 स्टार शहर का दर्जा प्राप्त हो गया है और अब 2 कदम आगे 5 स्टार नगर का तमगा प्रापत करने शासन प्रयास किया है। आगे बढ़ते हुए गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू के मार्गदर्शन में गढ़त रिसाली, बढ़त रिसाली, नवा रिसाली, हमर रिसाली के सूत्र वाक्य के साथ आदर्श निगम बनने के लिए सम्यक प्रयास करेंगी।

आय-व्यय

- अनुमानित बजट - 110.51 करोड़
- राजस्व आय - 42.01 करोड़
- पूंजीगत आय - 68.50 करोड़
- राजस्व व्यय - 41.93 करोड़
- पूंजीगत व्यय - 68.43 करोड़

मुख्य कार्य सदन में रखे गए

- मूलभूत सुविधा सड़क, नाली, पुलिया एवं निगम सम्पत्तियों का मरम्मत/संधारण- 1600 लाख
- मांगलिक परिसर निर्माण- 175 लाख
- अमृत मिशन योजना 2.0 (पाईप लाईन एवं उद्यान निर्माण)- 400 लाख
- राज्य प्रविर्तत योजना (तालाबों का सौंदर्यीकरण)- 150 लाख
- ट्रेंचिंग ग्राउण्ड का विकास एवं अतिरिक्त टेऊचिंग ग्राउण्ड हेतु भूमि (टेऊचिंग ग्राउण्ड का विकास एवंसमतलीकरण) -100 लाख
- मिशन क्लीन सिटी अंतर्गत (सफाई उपकरण) कम्पोस्टिंग एवं डस्टबिन/ट्राय सायकल/मिनी ट्रीपर क्रय- 50 लाख
- राज्य शहरी विकास अभिकरण अंतर्गत नगर पालिक निगम, रिसाली को स्वच्छ भारत मिशन (ठोस अपशिष्ठ) के
- क्रियान्वनयन हेतु ई-रिक्शा क्रय - 85.80 लाख
- 15 वे वित्त आयोग मद अंतर्गत कम्पोस्टिंग मशीन क्रय हेतु- 55 लाख
- निकाय क्षेत्र रोड साइड प्लांटेशन -70 लाख
- टैक्ट्रर सहित हाइड्रोलिक ट्राली - 43.75 लाख
- मरोदा सेक्टर आई.पॉकेट में फूटबॉल ग्राउण्ड निर्माण -348.64 लाख

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950